प्रभाव मूल्यांकन सीएसआर परियोजनाएं

वित्तीय वर्ष 2021-22

www.sr-asia.org

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

SEWA - THDC
सर्वे भवन्तु सुखिनः

सीएसआर परियोजना

प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट

वित्तीय वर्ष 2021-22

को प्रस्तुत:

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश
प्रगतिपुरम, बाय पास रोड
ऋषिकेश-249201 (उत्तराखंड)

तैयारकर्ता :

एसआर एशिया
4एफ-सीएस-25 और 26,
अंसल प्लाजा मॉल,
सेक्टर-1,वैशाली, गाजियाबाद
उत्तर प्रदेश-201010

प्रस्तावना

यह टीएचडीसी एजुकेशन सोसाइटी के माध्यम से "टीएचडीसी हाई स्कूल, ऋषिकेश और टीएचडीसी टी.बी.पी. इंटरमीडिएट कॉलेज, बी.पुरम (टिहरी) के संचालन" की सीएसआर परियोजना की एक प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट है। वर्ष 2021-22 के लिए प्रगतिपुरम, ऋषिकेश और भागीरथीपुरम, टिहरी गढ़वाल में स्कूलों का मूल्यांकन किया गया। यह पहल परियोजना क्षेत्रों एवं उसके आसपास के गरीब और कमजोर परिवार के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की गई है।

यह रिपोर्ट संक्षेप में टीएचडीसीआईएल सीएसआर नीति और बजट के प्रभाव मूल्यांकन को कवर करती है। आगे परियोजना के दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली के साथ-साथ की परियोजना की अंतर्दृष्टि प्रदान की गई, जिसमें प्रमुख घटकों, विश्लेषण, परिणामों एवं सिफारिशों के साथ सुझावों का विश्लेषण किया गया है।

प्रक्रिया में शामिल सभी हितधारकों के दृष्टिकोण को सामने लाने के लिए एक विशिष्ट दृष्टिकोण का उपयोग करके विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

प्रभाव मूल्यांकन परिणाम सफलता की कहानियों के साथ-साथ जेडओएचओ एनालिटिक्स का उपयोग करके एकत्र और विश्लेषण किए गए मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा से प्राप्त होते हैं।

सुझाव और अनुशंसाएं हस्तक्षेप के लिए विशिष्ट हैं और भविष्य के प्रयासों में अपनाई जा सकने वाली सीखने की बातों को शामिल करती हैं।

अभिस्वीकृति

यह प्रभाव आकलन रिपोर्ट काफी परामर्श और सहभागिता के साथ तैयार की गई है। पी.के. नैथानी सीजीएम, (एस एंड ई), डॉ. ए.एन. त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (एचआर एंड ए), श्री विपिन सकलानी (डीजीएम), श्री. डी.पी. त्यागी, वरिष्ठ प्रबंधक (सेवा-टीएचडीसी), श्री. सौरभ कुशवाह, वरिष्ठ अधिकारी (सामाजिक) और सीएसआर एवं एसडी प्रभाग, टीएचडीसीआईएल के अन्य अधिकारी। प्रभाव मूल्यांकन टीम ने ऋषिकेश और टिहरी में टीएचडीसी द्वारा संचालित स्कूल में लाभार्थियों से भी बातचीत की।

इस प्रभाव मूल्यांकन अभ्यास को पूरा करना अच्छे लोगों की मदद के बिना संभव नहीं था, जिन्होंने इस परियोजना के सफल समापन के लिए अपना समर्थन देने के लिए तैयार थे। हम परियोजना स्थलों पर टीएचडीसीआईएल की पूरी टीम को मूल्यांकन और प्रभाव मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान मूल्यवान अंतर्दृष्टि और समर्थन प्रदान करने के लिए बहुत आभारी हैं। हम उन सभी हितधारकों के भी बहुत आभारी हैं जिन्होंने अपना कीमती समय दिया और इस मूल्यांकन को बहुत अधिक सार्थक बनाने के लिए अपने इनपुट और जानकारी साझा कीं।

वीरेंद्र रतूड़ी
अंतर्राष्ट्रीय निदेशक, एसआर एशिया
फरवरी 2023

मूल्यांकन टीम

नाम	पदनाम
डॉ. संजीव भूपतवाला (पीएचडी अर्थशास्त्र)	वरिष्ठ रिसर्च एसोसिएट
श्री अजय कुमार (एम.ए. दर्शनशास्त्र)	कनिष्ठ रिसर्च एसोसिएट
सुश्री जया यादव (एम.एस.सी संसाधन प्रबंधन)	रिसर्च एसोसिएट
सुश्री रमीन अंजुम (एम.ए. समाजशास्त्र)	रिपोर्ट डिज़ाइनर
सुश्री तरनजीत कौर (एम.बी.ए.)	संचार प्रबंधक
सुश्री स्नेहा रतूड़ी (एम.एस.सी.माइक्रोबायोलॉजी)	टीम के सदस्य
श्री आकाश रतूड़ी (बी.ए प्रोग्राम)	टीम के सदस्य

विषयसूची

प्रस्तावना

स्वीकृति

मूल्यांकन टीम

सामग्री

संकेताक्षर की सूची

टीएचडीसीआईएल सीएसआर विजन और मिशन

कार्यपालक सारांश

अध्याय-1: प्रभाव मूल्यांकन

1.1 परिचय 4

1.2 टीएचडीसीआईएल की सीएसआर नीति 5

1.3 परियोजना विवरण और विस्तार 7

1.4 एजेंसी के विषय में प्रभाव मूल्यांकन 10

1.5 टीओआर के अनुसार कार्य का दायरा 11

अध्याय-2: दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली

2.1 एसआर एशिया का प्रभाव मूल्यांकन दृष्टिकोण 12

2.2 प्रभाव मूल्यांकन के लिए ओईसीडी-डीएसी रूपरेखा 13

2.3 नमूनाकरण योजना 15

अध्याय-3: प्रमुख घटकों का विश्लेषण

3.1 प्रोजेक्ट 1: टीएचडीसी हाई स्कूल, ऋषिकेश 16

3.2 परियोजना 2: टीएचडीसी टी.बी.पी. इंटरमीडिएट कॉलेज, टिहरी 17

3.3 चर्चा का सारांश: माता-पिता 19

3.4 चर्चा का सारांश: टीईएस सदस्य 20

अध्याय-4: विश्लेषण और परिणाम: प्रभाव विश्लेषण

4.1 प्रोजेक्ट 1: टीएचडीसी हाई स्कूल, ऋषिकेश 21

4.2 प्रोजेक्ट 2: टीएचडीसी टी.बी.पी. इंटरमीडिएट कॉलेज, टिहरी 29

4.3 सुझाव एवं सिफ़ारिशें 36

अध्याय 5: केस स्टडीज 37

फोटो गैलरी 42

संकेताक्षर की सूची

बीपीएल :	गरीबी रेखा से नीचे
सीसीए:	सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ
सीएसआर:	कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व
ईएमबी :	शिक्षा प्रबंधन बोर्ड
आईए:	प्रभाव आकलन
ओबीसी :	अन्य पिछड़ा वर्ग
ओईसीडी-डीएसी:	आर्थिक सहयोग हेतु संगठन-विकास सहायता समिति
पीटीएम :	अभिभावक-शिक्षक बैठक
एसआर एशिया:	सामाजिक उत्तरदायित्व एशिया
अनु.जाति :	अनुसूचित जाति
अनु.ज. जाति :	अनुसूचित जनजाति
टीएचडीसीआईएल :	टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
टीएचडीसी टी.बी.पी :	टीएचडीसी टिहरी बांध परियोजना
टीईएस :	टीएचडीसी शिक्षा समिति
टीओआर :	संदर्भ की शर्तें

टीएचडीसीआईएल

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

सीएसआर विजन

- सामाजिक रुप से उत्तरदायी कारपोरेट, समाज एवं समुदाय में मूल्य निर्माण को निरंतर बढ़ाना तथा सतत विकास को प्रोत्साहित करना।

उद्देश्य

- परस्पर संचार के माध्यम से प्रमुख हितधारकों के साथ संबंध आधारित सतत मूल्य स्थापित करना।
- मानवीय दृष्टिकोण के साथ सीएसआर कार्यक्रम संचालित करना।
- हितधारकों के साथ सीएसआर एवं सततता पहलों को पारदर्शिता के साथ शेयर करना।
- अपने आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय सतत तरीके से अपना व्यवसाय चलाने के लिए संगठन में सभी स्तरों पर प्रतिबद्धता बढ़ाया जाना सुनिश्चित करना।
- इसके प्रकार्यात्मक केंद्रों में तथा उनके आस-पास समुदायों के लाभ हेतु प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सीएसआर कार्यक्रम संचालित करना तथा जिसके परिणामस्वरुप स्थानीय जनता के जीवन की गुणवत्ता एवं आर्थिक भलाई में वृद्धि हो सके।
- समाज के वंचित, दबे कुचले, तिरस्कृत एवं कमजोर तबको की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति एवं समेकित विकास को प्रोत्साहित करना।
- हितधारकों के मध्य सीएसआर पहलों के माध्यम से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गुडविल एवं गर्व उत्पन्न करना और कारपोरेट इकाई के रूप में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की सकारात्मक एवं सामाजिक जिम्मेदारी की छवि को सुदृढ़ करने में सहायता करना।

कार्यकारिणी सारांश

प्रभाव मूल्यांकन के विषय में

सेवा-टीएचडीसी ने उत्तराखंड राज्य में परियोजना क्षेत्रों में कार्यान्वित सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव आकलन का काम एसआर एशिया को सौंपा है। यह प्रभाव मूल्यांकन सेवा-टीएचडीसी सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी) कार्यक्रमों के लक्ष्यों और उपलब्धियों की जांच करने और पहलों के कार्यान्वयन में सुधार के लिए कदम सुझाने के लिए किया गया था। यह मूल्यांकन ऋषिकेश और टिहरी के परियोजना क्षेत्रों में किया गया था। मूल्यांकन टीम ने वित्त वर्ष **2021-22** में किए गए सीएसआर परियोजनाओं की जांच की। इस मूल्यांकन के तहत सेवा-टीएचडीसी द्वारा सीएसआर कार्यान्वयन के लिए कुल **4.72** करोड़ रुपये का योगदान किया गया।

इस प्रभाव मूल्यांकन के मुख्य उद्देश्य हैं:

- एक करोड़ रुपये या उससे अधिक के परिव्यय वाली परियोजनाओं के प्रभाव का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करना।
- कार्यक्रमों/कार्यों के कारण होने वाले परिवर्तनों को मापना।
- जवाबदेही, सततता और सीखने का आकलन करना।
- कार्यक्रमों की प्रभावशीलता और प्रभावों के बारे में डेटा एकत्र करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हस्तक्षेप सही दिशा में चल रहा है और अपने उद्देश्यों तक पहुँच गया है।
- आगे के हस्तक्षेपों की तैयारी के लिए सेवा-टीएचडीसी को इनपुट प्रदान करना।

अध्ययन के दायरे में निम्नलिखित शामिल हैं:

- वित्तीय वर्ष 2021-22 में टीएचडीसी हाई स्कूल, ऋषिकेश का प्रभाव मूल्यांकन।
- वित्तीय वर्ष 2021-22 में टीएचडीसी टी.बी.पी. इंटरमीडिएट कॉलेज, टिहरी का प्रभाव मूल्यांकन।
- प्रत्येक परियोजना से पाँच केस का अध्ययन किया गया।
- स्कूलों से तस्वीरें ली गई।

दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली

मूल्यांकन पद्धति में शामिल हैं: दस्तावेज़ समीक्षा और विश्लेषण मूल्यांकन टीम द्वारा टीएचडीसी हाई स्कूल, ऋषिकेश और टीएचडीसी टीबीपी इंटरमीडिएट कॉलेज टिहरी का फील्ड दौरा और रिपोर्ट में परिलक्षित सामान्य वर्क का उपयोग करके निष्कर्षों का विश्लेषण किया गया। प्रत्येक क्षेत्र दौरे में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और टीईएस सदस्यों के साथ परामर्श और लाभार्थियों पर पहल के प्रभाव का आकलन करने के लिए क्षेत्र अवलोकन शामिल किया गया था।

अध्ययन के निष्कर्ष

इस पहल के प्रभाव मूल्यांकन का उद्देश्य विभिन्न प्रमुख कारकों जैसे कि प्रासंगिकता, प्रभावशीलता, दक्षता, स्थिरता और प्रभाव पर संगतता का मूल्यांकन करना था। प्रभाव मूल्यांकन के पांच आयाम और उनके वांछित उद्देश्य को पूरा करने की संभावना नीचे दी गई है:

प्रासंगिकता

परियोजना प्रभावित परिवारों के बच्चों को प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा प्रदान करने के लिए जागृति मिशन के अंतर्गत टीएचडीसीआईएल सीएसआर और सततता नीति के तहत विद्यालय संचालित एवं प्रबंधित किए जाते हैं।

प्रभावशीलता

टीईएस प्रबंधित स्कूलों में समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों का लगातार नामांकन होता है**,** जिससे परियोजना के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा किया जाता है। स्कूल के बुनियादी ढांचे को पाठ्यक्रम की मांग के अनुरूप बनाए रखा जाता है**;** और टीएचडीसी हाई स्कूल में छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत **64%** है और टीएचडीसी टी.बी.पी. **10**वीं और **12**वीं कक्षा में इंटरमीडिएट कॉलेज **100%** है**,** जो एक उत्कृष्ट प्रभावशीलता का संकेत देता है।

क्षमता

कक्षाओं और शिक्षा बुनियादी ढांचे की संख्या का उपयोग अपनी पूरी क्षमता से किया जा रहा है। विज्ञान प्रयोगशालाएं**,** खेल के मैदान**,** पुस्तकालय आदि जैसे सभी स्कूल संसाधन सभी छात्रों के लिए खुले हैं।

प्रभाव

इस हस्तक्षेप ने पिछड़े और बीपीएल परिवारों से संबंधित परिवारों के वित्तीय बोझ को कम किया। इसने परिवारों के साथ-साथ छात्रों को भी शिक्षा की ओर प्रेरित किया। छात्रों को उच्च शिक्षा के बारे में परामर्श दिया जाता है**,** और **95%** छात्र हाई स्कूल पूरा करते हैं और आगे उच्च शिक्षा का विकल्प चुनते हैं**,** जो उन्हें अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार का अवसर प्रदान करता है।

वहनीयता

वर्तमान में पूरे स्कूल के बुनियादी ढांचे और सेटअप का प्रबंधन टीईएस द्वारा किया जाता है और टीएचडीसीआईएल के सीएसआर बजट के माध्यम से **100%** वित्त पोषित किया जाता है। संगठन दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध अन्य तरीकों और तरीकों की पहचान करके धन जुटाने की संभावना का आकलन कर सकता है।

अध्याय 1

प्रभाव मूल्यांकन

1.1 परिचय

प्रभाव मूल्यांकन का उद्देश्य किसी भी कार्यक्रम की प्रभावशीलता, दक्षता, निष्पक्षता और सेवा वितरण, परिणामों और प्रभावों की सततता में वृद्धि करना है। इस प्रक्रिया में प्रस्तावित कार्यों (प्रभाव/भविष्यवाणी/पूर्वानुमान) के सबसे संभावित प्रभावों की पहचान करना, उनका वर्णन करना एवं उन प्रभावों के सामाजिक महत्व का मूल्यांकन करना शामिल है।

कुल मिलाकर, टीएचडीसीआईएल द्वारा कार्यान्वित सीएसआर परियोजनाएं कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII के अनुरूप हैं। टीएचडीसीआईएल की सीएसआर नीति भी कंपनी अधिनियम 2013 के अनुरूप है। यह राष्ट्रीय नीति, सीएसआर नीति, जरूरतों और लोगों की आकांक्षाओं और वे क्षेत्र जहां वे काम करते हैं को ध्यान में रखते हुए अच्छी तरह से परिभाषित की गई है।

इन परियोजनाओं ने परियोजना प्रभावित लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला। सीएसआर पहलों की सफलता या असफलता की डिग्री निर्धारित करने के लिए, प्रभाव का मूल्यांकन किया जाता है और योजना के दौरान स्थापित बेंचमार्क के साथ तुलना की जाती है। टीम ने वास्तविक समय में सर्वेक्षण को संचालित करने और निगरानी करने के लिए ज़ोहो सर्वेक्षण टूल का उपयोग किया। प्रगति, उपलब्धियों और प्रभावों के फोटोग्राफिक और वीडियो-ग्राफिक रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से बनाकर रखे जाते हैं। फील्डवर्क के अवलोकनों को नोट करने के अलावा, मूल्यांकन टीम ने मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार मामले के अध्ययन तैयार किए। दीर्घकालिक उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए, टीम ने कार्यान्वयन भागीदारों, स्थानीय प्रतिनिधियों और अन्य विभागों के साथ हितधारक परामर्श किए। एसआर एशिया ने सेवा-टीएचडीसी की सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए ओईसीडी डीएसी फ्रेमवर्क का उपयोग किया है। यह प्रत्येक जांच की गई परियोजना को उनकी प्रासंगिकता, प्रभावशीलता, प्रभाव, सुसंगतता, दक्षता और स्थिरता के आधार पर स्कोर देता है।

1.2 टीएचडीसीआईएल सीएसआर कार्यक्रमों की रूपरेखा

सीएसआर और स्थिरता कार्यक्रमों को निष्पादित करने की भावना को ध्यान में रखते हुए, टीएचडीसीआईएल सीएसआर पहलों के व्यापक क्षेत्र को 'टीएचडीसी सहृदय' (कॉर्पोरेट के साथ एक मानव हृदय) के रूप में शीर्षक दिया गया है। क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जहां टीएचडीसीआईएल सीएसआर कार्यक्रमों को लागू करता है, जैसे कि वे जो उद्देश्य प्राप्त करना चाहते हैं:

i. टीएचडीसी निरामय (स्वास्थ्य) - पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता एवं पेयजल परियोजनाएँ
ii. टीएचडीसी जागृति (उज्ज्वल भविष्य के लिए पहल) - शिक्षा पहल
iii. टीएचडीसी दक्ष (कौशल) - आजीविका सृजन और कौशल विकास पहल
iv. टीएचडीसी उत्थान (प्रगति) - ग्रामीण विकास
v. टीएचडीसी समर्थ (सशक्तिकरण) - सशक्तिकरण पहल
vi. टीएचडीसी सक्षम (सक्षम) - वृद्धों और दिव्यांगों की देखभाल
vii. टीएचडीसी प्रकृति (पर्यावरण) - पर्यावरण संरक्षण पहल
viii. टीएचडीसी विरासत (संस्कृति) - कला एवं संस्कृति संरक्षण तथा संवर्धन पहल।
ix टीएचडीसी क्रीडा (खेल) - खेल प्रोत्साहन पहल

1.2.1 स्थान एवं लाभार्थियों का चयन

सीएसआर और सततता गतिविधियों के स्थान का चयन करने में स्थानीय क्षेत्र को प्राथमिकता दी जाएगी। इस प्रयोजन के लिए 'स्थानीय क्षेत्र' की परिभाषा है:

i. किसी प्रतिष्ठान या कार्यालय के 10 किमी के दायरे में आनेवाले लोग।
ii. सभी विकास खंड जोकि जल विद्युत परियोजना घटकों से प्रभावित हो रहे हैं।
iii. थर्मल प्रोजेक्ट के 50 किमी के दायरे में आनेवाले लोग।
iv.पवन/सौर परियोजना के 10 किमी के दायरे में आनेवाले लोग।
v. पुर्नस्थापित/पुर्नवासित स्थलों की भौगोलिक सीमाओं के भीतर के लोग।
vi. सभी विकास खंडों में रहनेवाले लोग जो कोयला खदानों/साइटों से जुड़े संबंधित कार्यों से प्रभावित हो रहे हैं।

वार्षिक सीएसआर बजट का कम से कम 65% स्थानीय क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रमों और हितधारकों के लाभ के लिए आवंटित किया जाता है जो कंपनी के व्यवसाय संचालन/गतिविधियों से सीधे प्रभावित होते हैं।

1.2.2. सीएसआर पर व्यय

प्रति वर्ष, टीएचडीसीआईएल अपने निदेशक मंडल के अनुमोदन से सीएसआर और सततता गतिविधियों/ परियोजनाओं के लिए गैर-लैप्सेबल योग्य बजटीय आवंटन करता है। आवंटन कंपनी अधिनियम 2013 की शर्तों के अनुरूप है, जिसमें पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का न्यूनतम 2 प्रतिशत सीएसआर गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए निर्धारित किया जाता है।

टीएचडीसीआईएल के सीएसआर कार्यक्रम सेवा-टीएचडीसी और टीएचडीसी एजुकेशन सोसाइटी (टीईएस) के माध्यम से कार्यान्वित किए जाते हैं**,** जो सहकारी समिति अधिनियम **1860** के तहत दो कंपनी प्रायोजित/स्थापित पंजीकृत समितियां हैं।

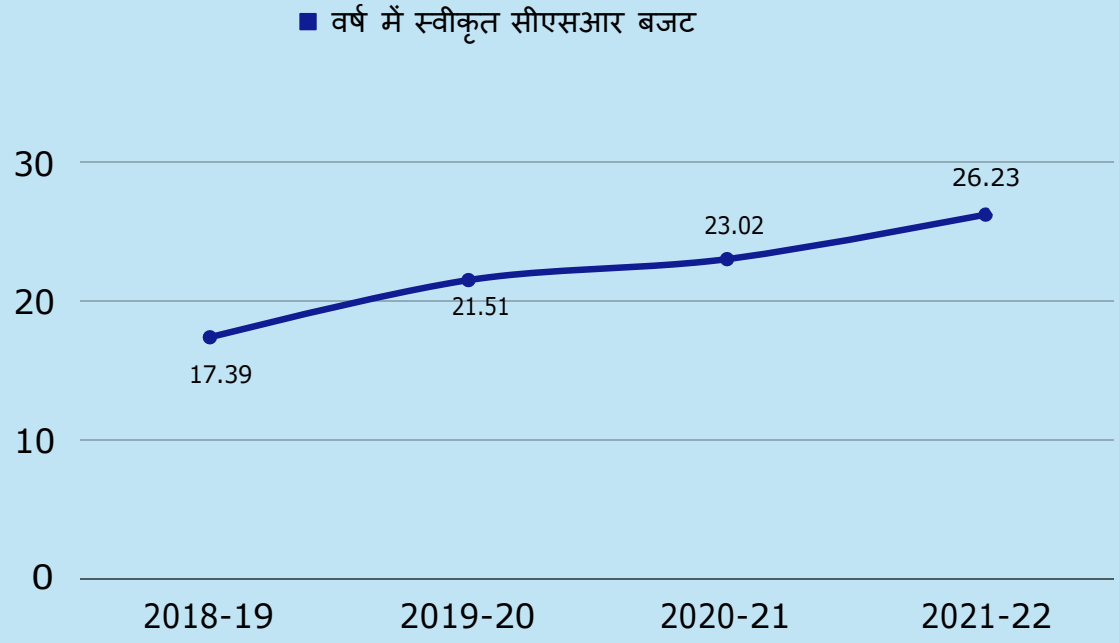

स्रोत: टीएचडीसीआईएल वेबसाइट

1.3 प्रभाव मूल्यांकन के लिए परियोजनाएं

परियोजना का नाम	टीएचडीसी हाई स्कूल, ऋषिकेश और टीएचडीसी टी.बी.पी. इंटरमीडिएट कॉलेज, बी.पुरम (टिहरी गढ़वाल)
क्रियान्वयन एजेंसी का नाम	टीएचडीसी एजुकेशन सोसायटी, ऋषिकेश
टीईएस का लक्ष्य	ऋषिकेश और टिहरी के परियोजना क्षेत्रों में और उसके आसपास रहने वाले गरीब और कमजोर परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
परियोजना लागत	**4.72** करोड़
प्रारंभ की तिथि	**01/04/2021**
समापन की तिथि	**31/03/2022**
परियोजना का स्थान	परियोजना प्रभावित क्षेत्र तथा ऋषिकेश एवं टिहरी गढ़वाल के आसपास के क्षेत्र
परियोजना में शामिल गतिविधि	शिक्षा विकास

1.3.1 परियोजना अंतर्दृष्टि

शिक्षा प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है जो भारत सरकार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 21 ए के तहत दिया गया है। किसी भी देश के भविष्य का निर्धारण करने में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आस-पास के गांवों और परियोजना प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी लेते हुए टीएचडीसीआईएल अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के रूप में 1992 से विद्यालयों का संचालन कर रहा है।

1.3.2 विद्यालयों का संचालन

1992 से परियोजना प्रभावित क्षेत्र के आस-पास के गांवों में अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए, ईएमबी (शिक्षा प्रबंधन बोर्ड) के नाम से एक सोसायटी पंजीकृत की गई थी, 2010 में ईएमबी को टीईएस (टीएचडीसी शिक्षा समिति) नाम दिया गया था।

टीईएस का मुख्य कार्य इन स्कूलों में नामांकित सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।

दोनों स्कूलों का श्रेणीवार विवरण नीचे दिया गया है:

विद्यालय	अनुसूचितजाति (एससी) श्रेणी के छात्र		अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के छात्र		सामान्य श्रेणी के छात्र		कुल छात्र		कुल छात्र	बीपीएल	
	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री		पु.	स्त्री
ऋषिकेश	82	91	40	53	67	84	189	228	417	77	70
टिहरी	48	58	05	06	47	48	109	111	220	07	07

1.3.3 विद्यालय में सुविधाएं

टीएचडीसी शिक्षा समिति दोनों विद्यालयों की प्रतिदिन की सभी गतिविधियों की देखभाल कर रही है। दोनों विद्यालय वर्तमान में शिक्षा के "उत्तराखंड बोर्ड" पैटर्न को अपनाते हैं। शैक्षणिक सत्र 2021–22 के अंत में दोनों स्कूलों में कक्षा 1 से कक्षा 12 तक 637 छात्र पढ़ रहे थे। इन छात्रों को प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में विद्वान और योग्य शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों द्वारा मार्गदर्शन किया गया था। टीएचडीसीआईएल ने विद्यालय चलाने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया है। कक्षा गुणवत्तापूर्ण फर्नीचर, ब्लैकबोर्ड और अन्य शिक्षण सहायक सामग्री से सुसज्जित हैं। विद्यालय में प्रयोग हेतु कंप्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला की सुविधा हैं।छात्रों को कई वस्तुएं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। टीएचडीसी एजुकेशन सोसायटी द्वारा पाठ्य पुस्तकें, नोट बुक्स, स्कूल जूते, स्कूल बैग, यूनिफ़ॉर्म, स्टेशनरी आदि। स्कूल में साफ-सुथरा पीने का पानी, शौचालय की सुविधा और खेल का मैदान जैसी अन्य सुविधाएं मौजूद हैं। मध्याह्न भोजन (नैवेद्यम-मील पहल) की सभी सुविधाओं के अलावा, टीएचडीसी एजुकेशन सोसाइटी द्वारा छात्रों को उनके गांवों से स्कूल आने और वापस आने की सुविधा के लिए एक स्कूल बस और एक बोलेरो/टैक्सी की भी व्यवस्था की गई है। विद्यालय स्टाफ को अच्छा वेतन दिया जाता है, उन्हें चिकित्सा सुविधाएं और आवासीय सुविधा प्रदान की जाती है।

1.3.4 प्रमुख लाभ

विद्यालय आस-पास के क्षेत्र के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। जोकि आम तौर पर समाज के कमजोर और गरीब वर्ग से आते हैं। कक्षा 1 से कक्षा 12 तक छात्रों से ली जाने वाली फीस नाममात्र 50 रुपये से 150 रुपये प्रति माह है। छात्रों के लिए पूरे वर्ष विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों की व्यवस्था की जाती है। छात्र जिला एवं राज्य स्तरीय खेलों में भी प्रतिभागिता करते हैं। छात्र सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।
छात्रों को प्रदान की जा रही शिक्षा की गुणवत्ता की जाँच के लिए टीईएस प्रबंधन द्वारा नियमित निगरानी और निरीक्षण किया जाता है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने और इन विद्यालयों को क्षेत्र के अच्छे विद्यालयों के बराबर गुणवत्ता वाले संस्थान में परिवर्तित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

1.4 प्रभाव मूल्यांकन एजेंसी के विषय में

सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एशिया (एसआर एशिया) एक आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है जो कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) नई दिल्ली, भारत के साथ वर्ष 2012 में पंजीकृत है, और इसकी बांग्लादेश और इंडोनेशिया में वैधानिक संस्थाएं हैं। एसआर एशिया के मंगोलिया, मलेशिया, फिलीपींस और वियतनाम में प्रतिनिधि कार्यालय हैं। एसआर एशिया एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) जापान से संबद्ध है और सीएसआर, स्थिरता और सतत विकास के पूरक और प्रचार में एपीओ सदस्य राष्ट्रीय उत्पादकता संगठन के साथ मिलकर काम करता है। एसआर एशिया का मिशन परिवर्तन को बढ़ावा देकर वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के कल्याण के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना है। एसआर एशिया उपभोक्ताओं और निर्माताओं के बीच जागरूकता निर्माण करने के लिए सभी हितधारकों के साथ काम करना चाहता है। हम अभियानों के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचना चाहते हैं और टिकाऊ वस्तुओं और सेवाओं के डिजाइन, विकास और उत्पादन में कंपनियों के साथ काम करना चाहते हैं।

एसआर एशिया कई अलग-अलग उद्योगों में विभिन्न कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करने के लिए अनुकूलित और सर्व-समावेशी सीएसआर सेवाएं प्रदान कर रहा है। सेवाओं में व्यवसाय जिसमें वे अपना कार्यान्वयन करना चाहते हैं उसमें सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों पर परामर्श देना शामिल है। सीएसआर कार्यक्रम, उन्हें उपयुक्त सीएसआर परियोजनाओं को डिजाइन करने में मदद करता है, और उनकी योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए पूर्ण पैमाने पर परियोजना प्रबंधन सहायता प्रदान करता है। स्वच्छ भारत और वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए शिक्षा जैसे क्षेत्रों में परियोजनाएं केवल दो उदाहरण हैं जहां यह संगठन प्रभाव डाल रहा है।

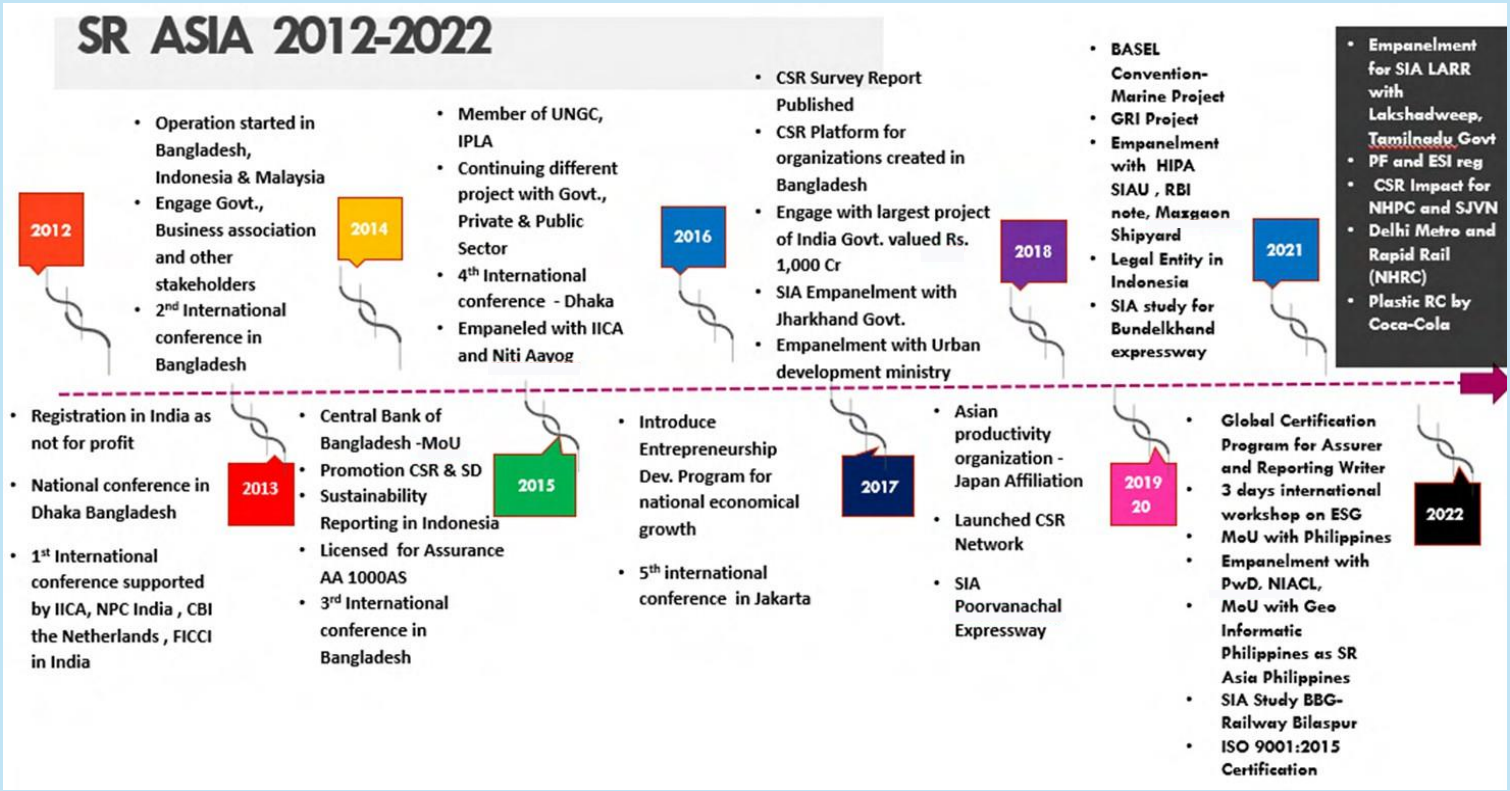

1.5 टीओआर के अनुसार कार्यक्षेत्र

प्रभाव मूल्यांकन सेवा- टीएचडीसी के लिए एक शिक्षाप्रद दस्तावेज़ होगा जिसमें सीएसआर कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में अपने लक्ष्य और उपलब्धि दोनों पर आत्म-चिंतन किया जाएगा और इसके बेहतर कार्यान्वयन के लिए कदम सुझाए जाएंगे। यह दस्तावेज़ सेवा- टीएचडीसी द्वारा आंतरिक और बाहरी दोनों उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा। अध्ययन में निम्नलिखित शामिल हैं:

सेवा- टीएचडीसी द्वारा वर्ष 2021-22 में कार्यान्वित सीएसआर परियोजनाओं के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए, जिनकी परियोजना की कीमत 1 करोड़ रुपये से अधिक है। ये परियोजनाएं टीएचडीसीआईएल के ऋषिकेश और भागीरथीपुरम परियोजना क्षेत्रों में निष्पादित की जाती हैं।
अध्ययन के लिए सीएसआर परियोजनाएं निम्नलिखित हैं::

1. भागीरथीपुरम, टिहरी गढ़वाल में टीएचडीसी शिक्षा समिति के माध्यम से परियोजना प्रभावित परिवारों के लिए एक इंटर कॉलेज संचालित करना।

2. टीएचडीसी शिक्षा समिति के माध्यम से परियोजना प्रभावित परिवारों के लिए ऋषिकेश, देहरादून में एक हाई स्कूल का संचालन।

अध्याय-2

दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली

इस अध्याय में अध्ययन का एक संक्षिप्त परिचय, इसके तर्क, इसके उद्देश्य, सर्वेक्षण प्रश्न, नमूनाकरण, डेटा संग्रह, और सीमाओं का वर्णन किया गया है। इसलिए, अध्ययन के निष्कर्षों के लिए एक तर्क और एक संदर्भ प्रदान करने के लिए अनुसंधान प्रक्रिया को जानना आवश्यक है जिसका पालन किया गया था।

2.1 एसआर एशिया का प्रभाव मूल्यांकन दृष्टिकोण

एसआर एशिया अपने सभी भागीदारों को बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है। हमारा उद्देश्य उच्च मूल्य प्रदान करना और इसे वितरित करने के लिए प्रथाओं के एक मानक सेट का पालन करना है। हम समझते हैं कि इस सीएसआर मूल्यांकन का उद्देश्य सेवा टीएचडीसी द्वारा की गई सीएसआर पहलों का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव मूल्यांकन करना है।

लाभार्थियों द्वारा किए गए सभी सामाजिक-आर्थिक लाभों को व्यापक बनाने के लिए वर्तमान कार्य के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया गया था। हमारे रणनीतिक दृष्टिकोण का विवरण, जो तकनीकी और क्षेत्रीय विशेषज्ञता का मिश्रण है, एसआर एशिया के नेटवर्क का लाभ उठाने के लिए जुड़ी हुई सोच और समग्र मूल्यांकन के लिए सभी हितधारकों को एक साथ लाने वाला एक भागीदारी दृष्टिकोण नीचे वर्णित है।

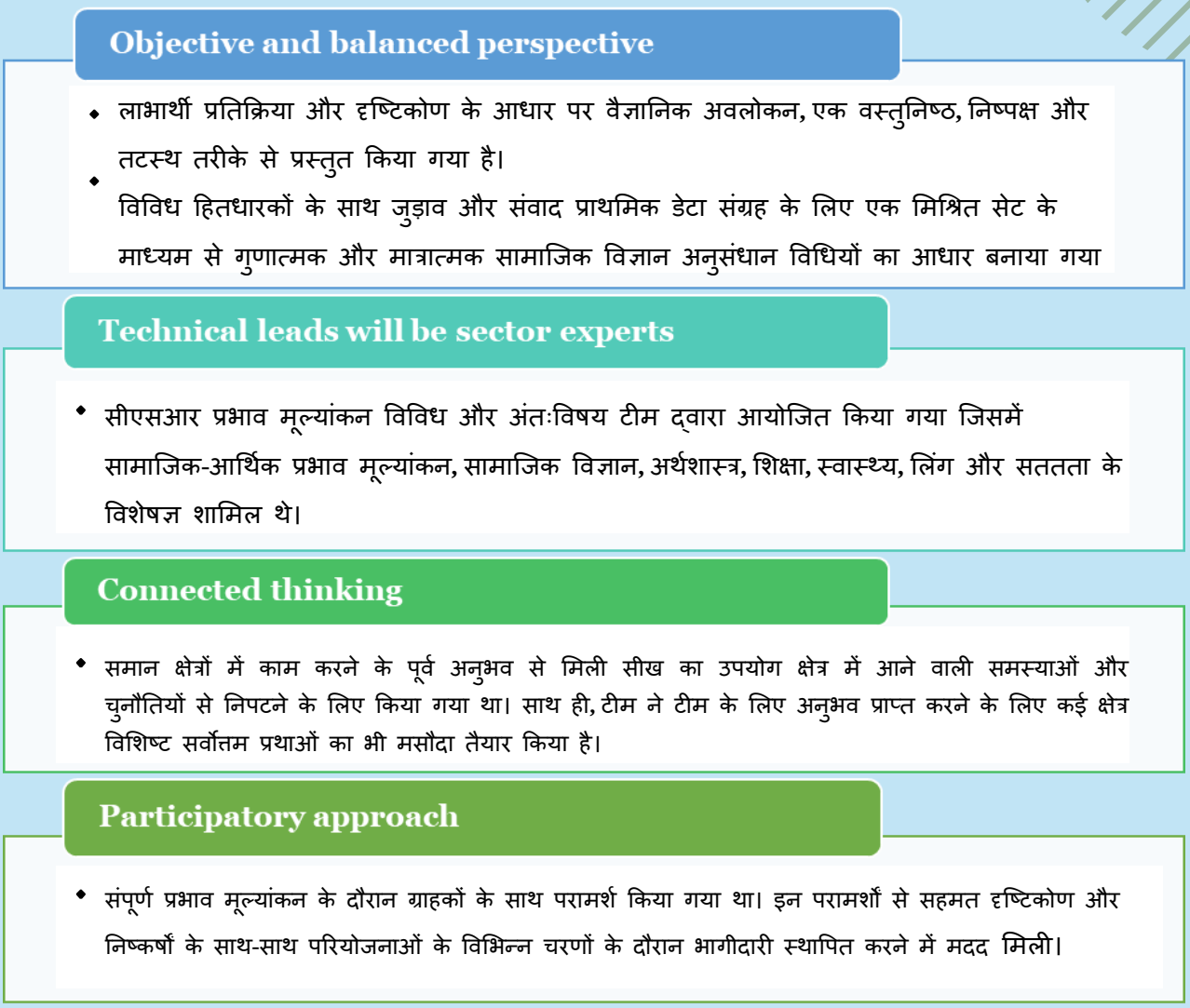

चित्र 1 एसआर एशिया द्वारा समग्र दृष्टिकोण

2.2 प्रभाव मूल्यांकन के लिए ओईसीडी-डीएसी रूपरेखा

एसआर एशिया ने इस कार्य के लिए प्रभाव मूल्यांकन के ओईसीडी मॉडल को अपनाया। विकास मूल्यांकन पर ओईसीडी डीएसी नेटवर्क (इवलनेट) ने मूल्यांकन के लिए छह मानदंड स्थापित किए हैं - प्रासंगिकता, सुसंगतता, प्रभावशीलता, दक्षता, प्रभाव और सततता। ये मानदंड किसी हस्तक्षेप की योग्यता या मूल्य (नीति, रणनीति, कार्यक्रम, परियोजना या गतिविधि) के मूल्यांकन के लिए एक मानक रूपरेखा प्रदान करता हैं। वे मूल्यांकनात्मक निर्णय लेने के लिए आधार प्रदान करते हैं।

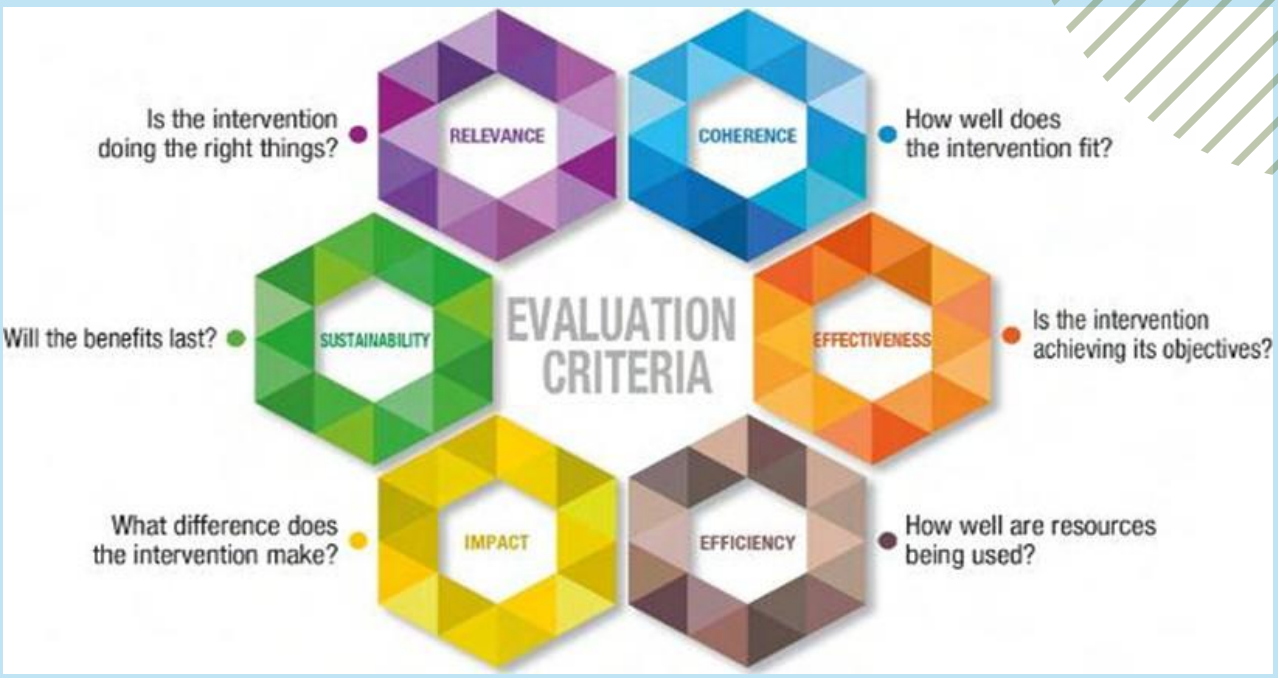

ओईसीडी डीएसी फ्रेमवर्क

यह क्या है?

प्रासंगिकता, प्रभावशीलता, अभिसरण और स्थिरता पहलुओं पर सामाजिक विकास कार्यक्रमों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए रूपरेखा

यह कैसे मदद करता है?

इससे निर्मित प्रभाव, हितधारकों की धारणा, अन्य अभिनेताओं के साथ सहयोग की सीमा और परिवर्तन की निरंतरता की गुणात्मक समझ हासिल करने में मदद मिलती है

मूल्यांकन के मानदंड	सांकेतिक प्रश्न	मुख्य निष्पादन संकेतक
समाविष्टि	सभी पृष्ठभूमियों के लाभार्थियों को किस हद तक कार्यक्रम द्वारा कवर किया जाता है?	कार्यक्रम में बिना किसी भेदभाव के सभी पृष्ठभूमियों के लाभार्थियों को शामिल किया गया।
योग्यता	कार्यक्रम समाज की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को किस हद तक पूरा करने में सक्षम है? कार्यक्रम में किस हद तक स्थायी प्रभाव पैदा करने में समुदाय और स्थानीय सरकार की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने की क्षमता है?	कार्यक्रम समाज की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप है और इसमें समुदाय से पर्याप्त जुड़ाव/भागीदारी, एसडीजी के साथ जुड़ाव आदि शामिल है।
प्रभावशीलता	यह कार्यक्रम लाभार्थियों की एचडीआई प्रोफ़ाइल पर किस हद तक प्रभाव डालने में सक्षम है?	कार्यक्रम का लाभार्थियों के स्वास्थ्य और खुशहाली की स्थिति आदि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।
अभिसरण	कार्यक्रम में लाभार्थियों को सरकारी कार्यक्रम/योजनाओं आदि से जोड़ने की क्षमता किस हद तक है?	कार्यक्रम में सरकार या कार्यक्रम क्षेत्र में कार्यरत अन्य गैर-सरकारी संगठनों के साथ सहयोग शामिल है।
सततता	टीएचडीसी समर्थन वापस लेने के बाद कार्यक्रम में किस हद तक स्थायी प्रभाव पैदा करने की क्षमता है	स्थानीय समुदाय और संस्थाओं के कौशल में वृद्धि करना ताकि वे कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से शासित और प्रबंधित कर सकें, और सरकार/अन्य हितधारकों के साथ संबंध बना सकें।

2.3 नमूनाकरण योजना

इस मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित प्रमुख हितधारकों से परामर्श किया गया:

- स्कूलों में नामांकित छात्रों के समूहों में परामर्श लिया गया।
- विद्यालय के शिक्षक एवं प्रबंधन समिति: सभी शिक्षकों से परामर्श किया गया
- टीएचडीसी एजुकेशन सोसायटी के सदस्य, और
- छात्रों के माता-पिता/अभिभावकों से शिक्षक बैठकों में सलाह ली जाती है

शोध प्रश्नावली, जाँच सूची, अवलोकन पद्धति, अनौपचारिक साक्षात्कार आदि का उपयोग करके आयोजित किया गया था, जिसकी चर्चा नीचे विवरण में की गई है।

2.4 अनुसंधान के तरीके और उपकरण

डेस्क अनुसंधान: परियोजनाओं से संबंधित सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों के साथ-साथ सेवा-टीएचडीसी के सीएसआर पृष्ठभूमि विवरण का अध्ययन करने के लिए एसआर एशिया टीम द्वारा माध्यमिक डेटा की समीक्षा की गई है। इन स्रोतों में डोजियर**,** प्रगति रिपोर्ट**,** पिछली मूल्यांकन रिपोर्ट आदि शामिल हैं। इससे इस सीएसआर प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन के तहत शामिल परियोजनाओं की प्रासंगिक समझ विकसित करने में मदद मिली है।

अवलोकन: इस पद्धति का उपयोग सेवा-टीएचडीसी की विभिन्न सीएसआर परियोजनाओं का आकलन करने के लिए किया गया था। अवलोकन ओईसीडी-डीएसी ढांचे के छह मापदंडों पर एकत्र किए जाएंगे**,** जिनका उपयोग अध्ययन में किया जाता है।

अर्ध-संरचित साक्षात्कार: विषय वस्तु के संबंध में प्रमुख हितधारकों से उनके विचार जानने के लिए परामर्श लिया गया। टीईएस के सदस्यों के विचारों को समझने के लिए आंशिक रूप से संरचित साक्षात्कारों का उपयोग किया गया।

सार्वजनिक: स्कूल में अभिभावक शिक्षक बैठकों के दौरान माता-पिता/अभिभावकों के साथ एफजीडी आयोजित की गई। पहल के संबंध में उनके विचारों को नोट करने के लिए प्रभाव मूल्यांकन टीम द्वारा सामुदायिक दौरे के दौरान माता-पिता से भी उनके घरों पर परामर्श किया गया।

केस स्टडीज: केस स्टडी पद्धति का उपयोग सभी वर्षों में प्रत्येक कार्यक्षेत्र से सफलता की कहानियों को पकड़ने के लिए किया गया था। इस पद्धति से उत्तरदाताओं को होने वाले लाभों की बहुआयामी समझ हासिल करने में मदद मिली।

अध्याय-3

प्रमुख पहलुओं का विश्लेषण

3.1 प्रोजेक्ट **1:** टीएचडीसी हाई स्कूल**,** ऋषिकेश

शिक्षा की गुणवत्ता

प्रभाव मूल्यांकन टीम ने व्यक्तिगत और समूह रूप से छात्रों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की ताकि यह जांचा जा सके कि उन्हें प्राप्त शिक्षा की गुणवत्ता क्या है। मूल्यांकन के परिणाम निम्नलिखित हैं: 100% (26) छात्र पढ़ने और बोलने कौशल में प्रवीण पाए गए। 92.30% (24) छात्र बातचीत के दौरान आत्मविश्वासी पाए गए।

पीटीएम

यह बताया गया है कि स्कूल में मासिक पीटीएम का प्रावधान है। स्कूल प्रशासन यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों के माता-पिता/अभिभावकों को उनकी मासिक प्रगति की रिपोर्ट दी जाए। इसके अलावा**,** स्कूल प्रशासन उन माता-पिता से संपर्क करता है जो बैठकों में शामिल नहीं हो पाते हैं।

पाठ्येतर गतिविधियाँ/खेल

स्कूल ने अनेक सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों और खेलों का आयोजित किया। विवरण इस प्रकार हैं:

वर्ष के दौरान आयोजित सीसीए गतिविधियाँ	प्रतिभागियों की संख्या
वाद-विवाद प्रतियोगिता	- 10
पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता	- 30
स्वच्छता का संदेश के तहत प्रतियोगिता पोस्टर निर्माण	- 40
अंकाश्री प्रतियोगिता	- 20
इंद्रमणि बडोनी की जयंती समारोह	- संपूर्ण विद्यालय
स्वतंत्रता दिवस समारोह	- संपूर्ण विद्यालय
कक्षा 10 के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक यात्रा	- 43

अच्छी तरह से सुसज्जित/हवादार कक्षाएँ

कक्षाओं में छात्रों के लिए पर्याप्त संख्या में बेंच, शिक्षक के लिए कुर्सी-मेज, ब्लैक बोर्ड, चॉक और डस्टर, उचित रोशनी और खिड़कियां हैं। कक्षाएँ टीएलएम के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं और कक्षा में वेंटिलेशन के लिए खिड़कियाँ हैं।

विद्यालय में स्वच्छता

स्कूल में शौचालय साफ-सुथरे हैं**,** लेकिन कुछ शौचालयों में उनसे दुर्गंध आ रही है। लड़कियों का शौचालय एक सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसिंग मशीन से सुसज्जित है और वॉशरूम की सफाई के लिए दो क्लीनर आवंटित किए गए थे। शौचालयों में पानी की आपूर्ति है और पीने के पानी के लिए स्कूल में वाटर कूलर लगाए गए हैं। शौचालय सहित पूरे स्कूल में कूड़ेदान लगाए गए हैं।

शिक्षकों की पर्याप्तता

स्कूल में पर्याप्त संख्या में शिक्षण स्टाफ सदस्य हैं और यह वर्तमान में अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रहा है।

कैरियर परामर्श

छात्रों को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने और लगातार ग्रेड के लिए शैक्षिक पाठ्यक्रमों के चयन में सलाह/मार्गदर्शन देने के लिए विद्यालय प्रशासन द्वारा उनके लिए कैरियर परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं।

3.2 परियोजना 2: टीएचडीसी टी.बी.पी. इंटरमीडिएट कॉलेज, बी. पुरम, टिहरी

शिक्षा की गुणवत्ता

प्रभाव मूल्यांकन टीम ने व्यक्तिगत और समूह रूप से छात्रों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की ताकि यह जांचा जा सके कि उन्हें प्राप्त शिक्षा की गुणवत्ता क्या है। मूल्यांकन के परिणाम निम्नलिखित हैं: **100% (20)** छात्र पढ़ने और बोलने कौशल में प्रवीण पाए गए। **95% (19)** छात्र बातचीत के दौरान आत्मविश्वासी पाए गए।

पाठ्येतर गतिविधियाँ/खेल

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय**,** विद्यालय में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों/खेलों का आयोजन किया जाता है सूची इस प्रकार है

वर्ष के दौरान आयोजित सीसीए गतिविधियाँ	प्रतिभागियों की संख्या
चित्रकला प्रतियोगिता	- 25
सतर्क जागृति दिवस के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता	- 40
आज़ादी का अमृत मोहत्सव के अंतर्गत निबंध लेखन	- 20
स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत निबंध एवं नारा लेखन, चित्रकला प्रतियोगिता	- 60
स्वच्छता कार्यक्रम	- संपूर्ण विद्यालय
स्वतंत्रता दिवस	- संपूर्ण विद्यालय
आजादी का अमृत मोहत्सव के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता	- 35

विद्यार्थियों को परामर्श एवं प्रेरणा

समय-समय पर छात्रों के लिए करियर काउंसलिंग सत्र और व्याख्यान आयोजित किए गए थे, जिसमें कॉलेज, आईटीआई और इंजीनियरिंग कॉलेज के बाहरी संकाय शामिल थे। टीईएस के सदस्यों ने भी छात्रों को करियर काउंसलिंग समर्थन प्रदान किया।

अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम)

टीएचडीसी टी.बी.पी. इंटरमीडिएट कॉलेज, टिहरी वार्ड की प्रगति की रिपोर्ट करने और यदि कोई हो तो शिकायत निवारण के लिए त्रैमासिक आधार पर पीटीएम आयोजित करता है।

3.3 चर्चा का सारांश-अभिभावक

प्रभाव मूल्यांकन टीम ने कुछ छात्रों के घरों का दौरा किया और स्कूल परिसर में अभिभावकों के साथ व्यापक परामर्श किया, प्राप्त कुछ टिप्पणियाँ और प्रतिक्रिया इस प्रकार हैं:

- माता-पिता ने साझा किया है कि उन्होंने अपने बच्चों को स्कूल में नामांकित करने का एक प्रमुख कारण यह है कि छात्रों को व्यापक स्तर पर सहायता और सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।
- माता-पिता अपने बच्चों को प्राप्त शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों द्वारा अतिरिक्त कक्षा/डाउट कक्षाओं के माध्यम से किए गए प्रयासों से बहुत संतुष्ट हैं।
- शिक्षकों ने पीटीएम के दौरान माता-पिता से कहा है कि वे कम से कम होमवर्क और असाइनमेंट के लिए वार्ड की निगरानी करें।

3.4 टीईएस सदस्यों के साथ चर्चा का सारांश

टीईएस अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई और समग्र प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए उनकी प्रतिक्रिया दर्ज की गई, नोट किए गए बिंदु इस प्रकार है:

- स्कूल के विकास से संबंधित लक्ष्यों और आकांक्षाओं पर चर्चा करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर टीईएस सदस्यों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।
- स्कूल अधिकारी स्कूल में किसी भी आवश्यकता के लिए टीईएस को एक आधिकारिक पत्र भेजते हैं, और टीईएस सदस्य आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में काम करते हैं।
- टीईएस स्कूल के शिक्षकों की मांगों के अनुरूप एक निजी स्टाफिंग फर्म से अनुबंध कर रहा है।
- छात्रों को करियर का रास्ता चुनने में मदद करने के लिए स्कूलों में परामर्श सत्र आयोजित किए जाए। इसके अलावा सोसायटी द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण के प्रावधान पर भी विचार किया जा रहा है।
- टीईएस छात्रों के बेहतर प्रदर्शन के लिए नई शिक्षण तकनीकों को विकसित करने के लिए शिक्षा पद्धति को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को सहायता प्रदान करके गुणवत्ता को लगातार बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।
- कोविड और लॉकडाउन के कारण, नवंबर 2022 में मध्याह्न भोजन फिर से शुरू हुआ।

सोसायटी बाहरी एजेंसी द्वारा बार-बार खाद्य निरीक्षण अनिवार्य करती है।

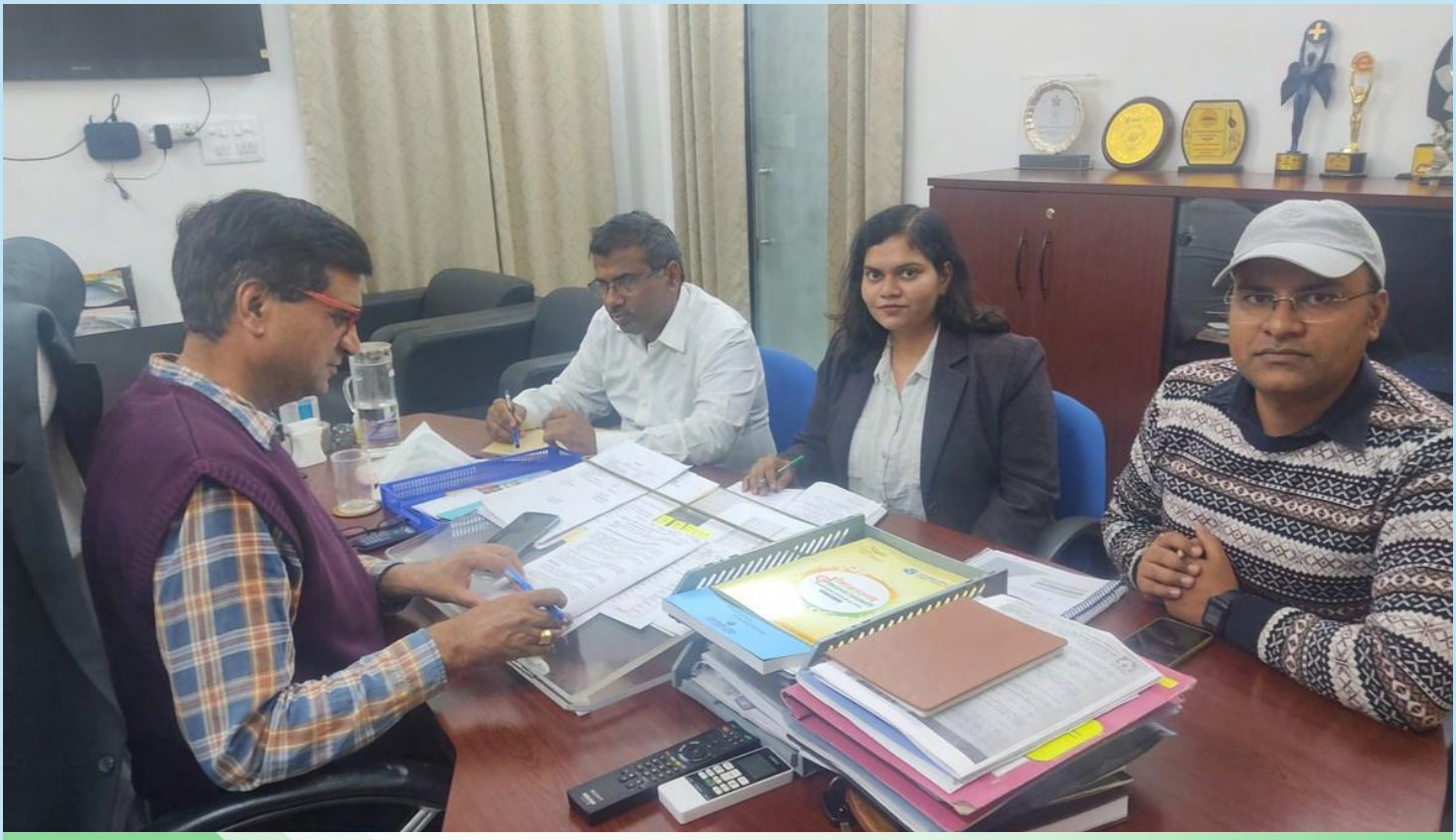

अध्याय-4

विश्लेषण और परिणाम: प्रभाव मूल्यांकन

सेवा-टीएचडीसी अपने सीएसआर हस्तक्षेप के माध्यम से कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 की शर्तों के अनुसार टीएचडीसी हाई स्कूल, प्रगतिपुरम, ऋषिकेश और टीएचडीसी इंटर कॉलेज, भागीरथीपुरम, टिहरी को सहायता प्रदान कर रही है। टीएचडीसी एजुकेशन सोसायटी (टीईएस) टीईएस स्कूल परिसर में सभी बुनियादी ढांचे के साथ-साथ मुफ्त बैग, किताबें, वर्दी, बस सुविधाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। ऋषिकेश और टिहरी के परियोजना क्षेत्रों में गरीब और कमजोर परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, टीईएस छात्रों, स्कूल के बुनियादी ढांचे के साथ-साथ शिक्षकों की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

सेवा- टीएचडीसी अपने सीएसआर के माध्यम से ऋषिकेश के प्रगतिपुरम में टीएचडीसी हाई स्कूल और टिहरी के भागीरथीपुरम में टीएचडीसी इंटर कॉलेज को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के प्रावधानों के अनुसार समर्थन प्रदान कर रही है। स्कूल की सभी जरूरतों को टीएचडीसी शिक्षा सोसाइटी (टीईएस) द्वारा पूरा किया जा रहा है। टीईएस की जिम्मेदारियां हैं: मुफ्त बैग, पुस्तकें, यूनिफ़ॉर्म, बस सुविधाएं प्रदान करना। स्कूल परिसर में सभी बुनियादी ढांचे की व्यवस्था करना। ऋषिकेश और टिहरी के परियोजना क्षेत्रों में गरीब और कमजोर परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, टीईएस छात्रों, स्कूल बुनियादी ढांचे और शिक्षकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए काम कर रही है।

4.1 परियोजना 1: प्रगतिपुरम, ऋषिकेश में हाई स्कूल का संचालन

टीईएस की यह पहल लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डाल रही है। टीएचडीसी हाई स्कूल, प्रगतिपुरम, ऋषिकेश के संचालन के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर इस खंड में चर्चा की गई है।

सामाजिक प्रभाव

सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के एक भाग के रूप में लाभार्थियों के समूह द्वारा प्राप्त सामाजिक समावेशन और लाभों को मापने के लिए कुछ प्रमुख कारकों का मूल्यांकन किया गया है।

सामाजिक संरचना- विद्यार्थी

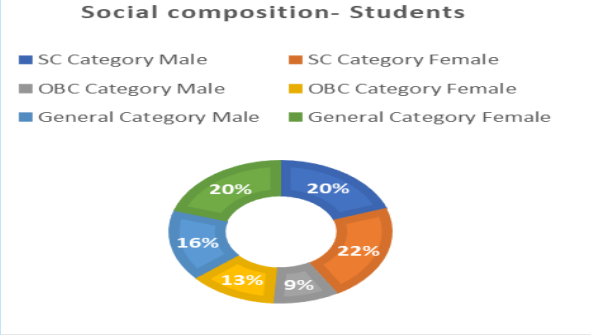

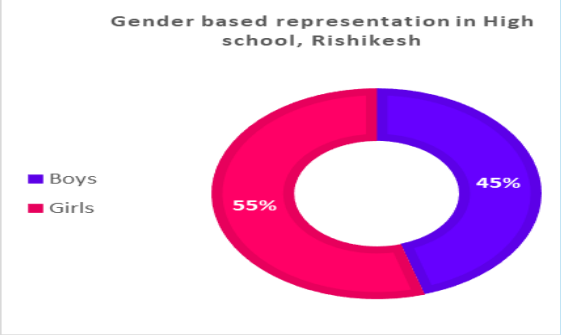

विश्लेषण से पता चलता है कि समाज के सभी वर्गों को अपने बच्चों को विद्यालय में नामांकित करने का अवसर मिला है और वितरण सभी वर्गों और श्रेणियों में समान रहा है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि सभी श्रेणियों में बालिकाओं की संख्या बालकों से अधिक है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विद्यालय सामाजिक क्षितिज पर समान अवसर प्रदान करता है और बालिका सशक्तीकरण को भी बढ़ावा देता है।

हाई स्कूल, ऋषिकेश में छात्रों का नामांकन रुझान

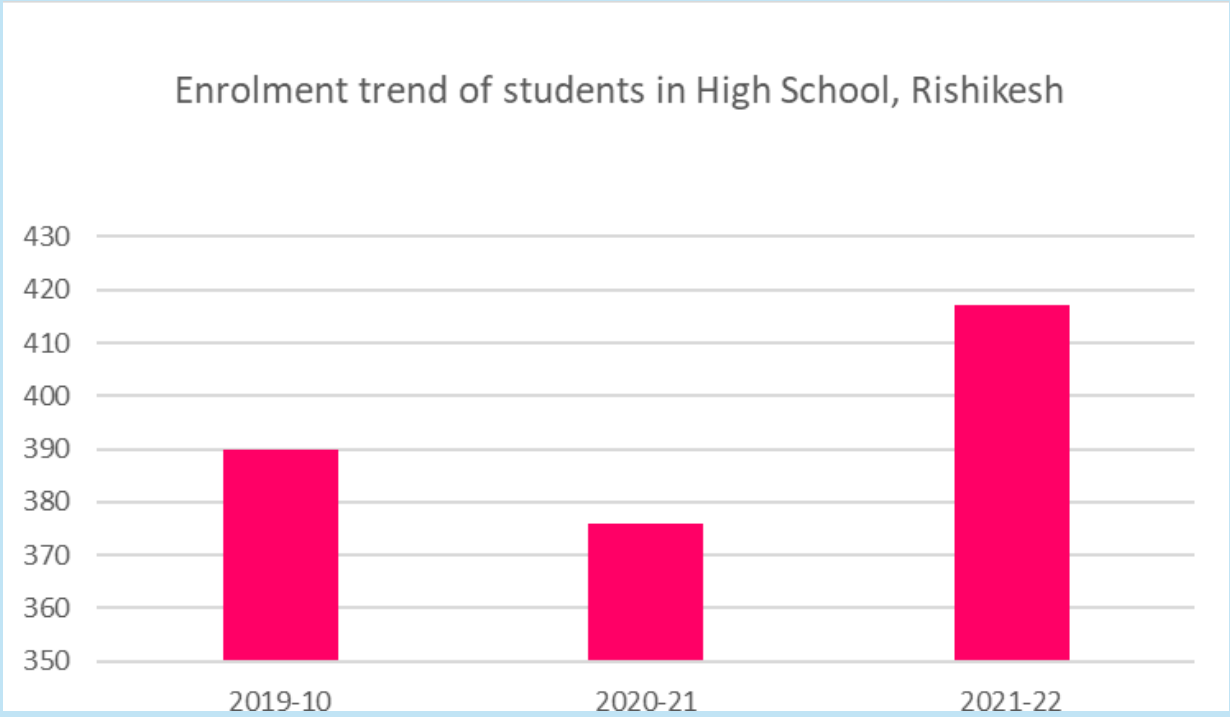

ग्राफ के माध्यम से देखा जा सकता है कि विद्यालय में छात्रों के नामांकन में लगातार सुधार हो रहा है, जो छात्रों के माता-पिता के बीच स्कूल की बढ़ती समानता और प्रतिष्ठा और छात्रों द्वारा शिक्षा को अपनाने का संकेत देता है। यह देखा जा सकता है कि यद्यपि नामांकन प्रवृत्ति में लगातार सुधार हुआ है, वित्त वर्ष 2020-21 में थोड़ी गिरावट आई है, माना जा सकता है कि कोविड और ऑनलाइन कक्षाओं के कारण इस तरह हुआ होगा।

विद्यार्थियों की सामाजिक वर्गवार नामांकन रुझान

यह खंड वित्त वर्ष 2019–20 से वर्ष 2022–23 तक सभी सामाजिक वर्गों की नामांकन रुझान को प्रस्तुत करता है।

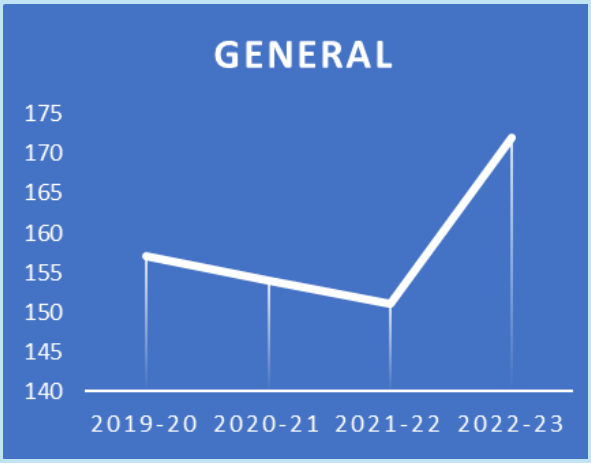

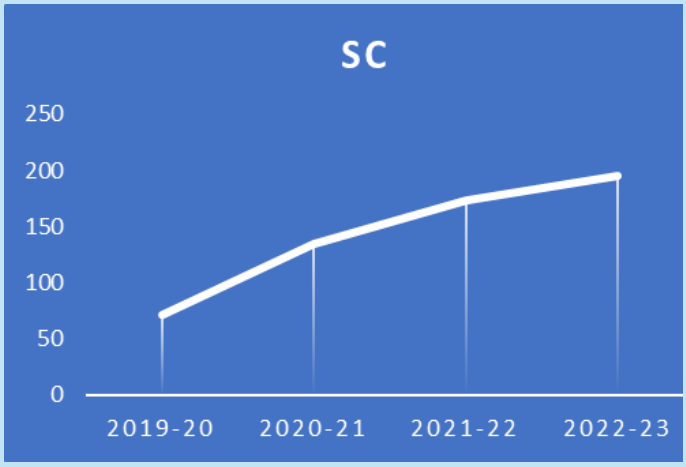

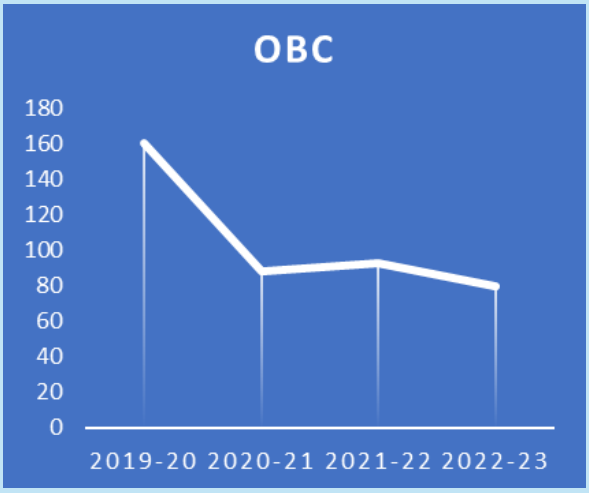

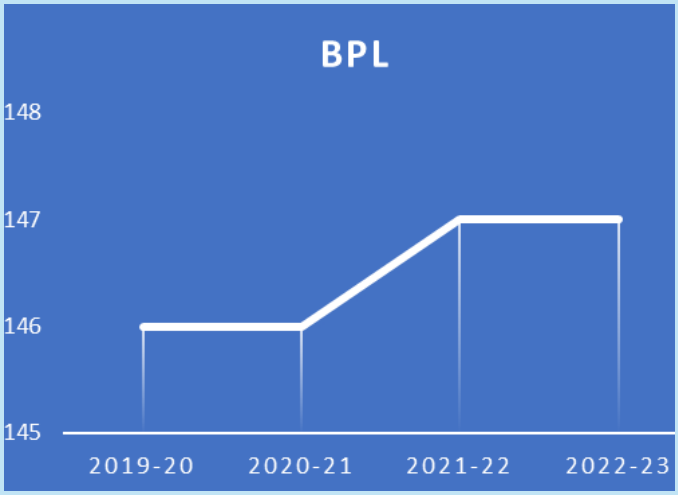

उपरोक्त ग्राफ़ वित्त वर्ष 2020–21 और 2021–22 के दौरान सामान्य और ओबीसी श्रेणी के छात्रों के नामांकन में गिरावट को दर्शाता है, जिसे कोरोना वायरस को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

कुल छात्र बनाम बीपीएल छात्र

यह खंड वित्त वर्ष 2019-20 से वर्ष 2022-23 तक सभी सामाजिक वर्गों की नामांकन रुझान को प्रस्तुत करता है।

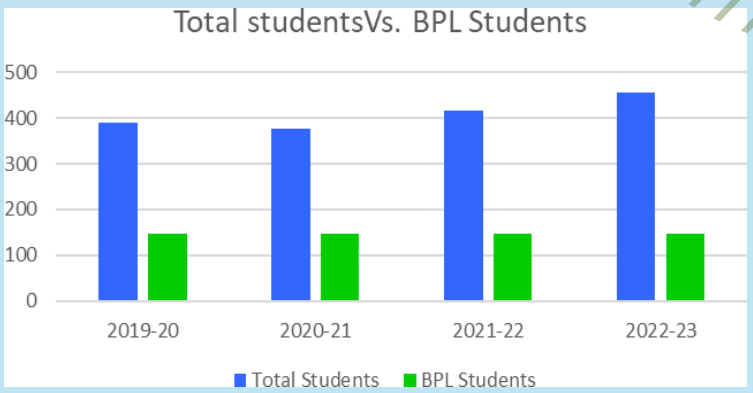

ग्राफ दर्शाता है कि वित्त वर्ष 2019-20 से वित्त वर्ष 2022-23 तक क्रमशः 37.43%, 38.82% 5.25% और 32.23% बीपीएल छात्र विद्यालय में नामांकित हैं और विद्यालय का एक बड़ा हिस्सा हैं।

आस-पास के गाँवों/क्षेत्रों से नामांकित छात्र

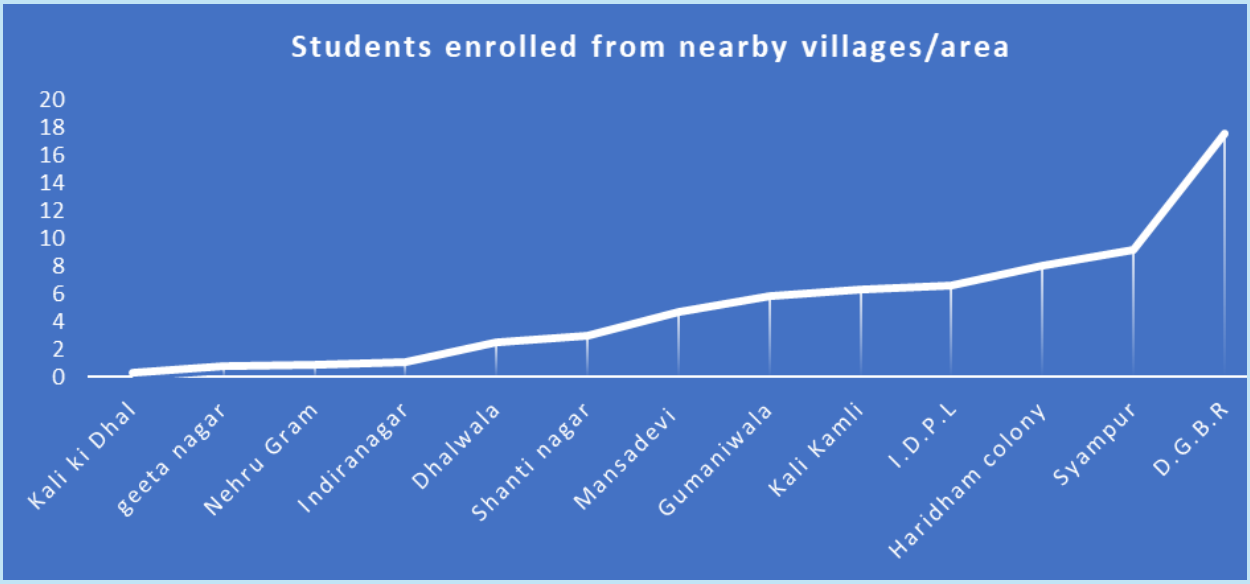

यह आरेख आस-पास के गांवों/क्षेत्रों में रहने वाले विभिन्न परिवारों या परियोजना प्रभावित परिवारों के छात्रों की भागीदारी को दर्शाता है। यह बीपीएल जैसे जरूरतमंद और केंद्रित समूहों तक शैक्षिक सेवाओं का विस्तार करने के लिए टीईएस द्वारा निर्धारित महत्वाकांक्षाओं और लक्ष्यों के अनुरूप है।

छात्रों का प्रदर्शन/उपलब्धि

छात्र का परिणाम

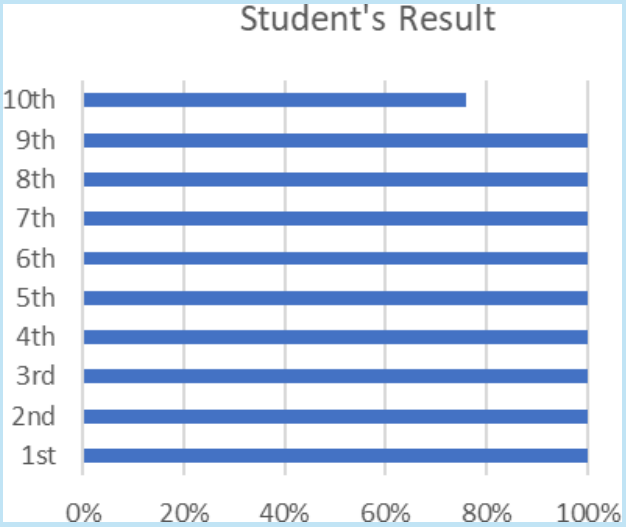

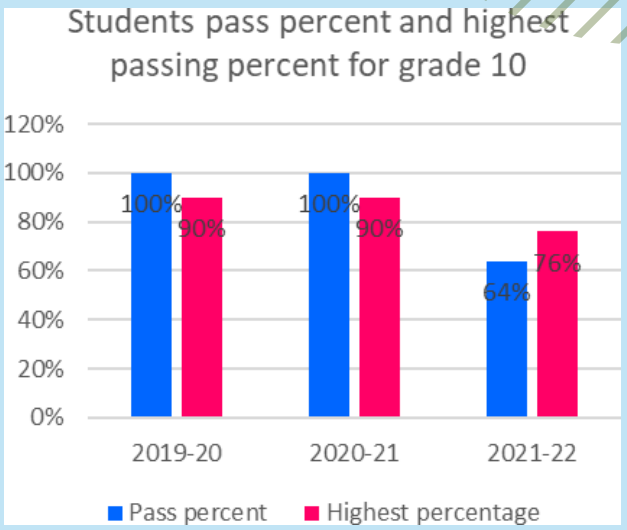

ग्राफ से यह स्पष्ट होता है कि उत्तीर्ण प्रतिशत और वर्ष 2021-22 में उच्चतम प्रतिशत में गिरावट आई है, जिससे कोविड के कारण शिक्षा में अंतर का निर्धारण किया जा सकता है।

आर्थिक प्रभाव

किए गए सामाजिक सर्वेक्षण से यह पाया गया कि **90%** परिवार के कमाने वाले सदस्य सहायक कर्मचारी, सफाईकर्मी, पेंटर, राजमिस्त्री, सुरक्षा गार्ड, माली, रसोइया, सड़क पर सामान विक्रेता और दैनिक मजदूरी जैसे व्यवसायों में हैं, जिनके बच्चे विद्यालय में नामांकित हैं। माता-पिता को अपने बच्चों को विद्यालय भेजने में सक्षम बनाने के लिए मुफ्त भोजन, किताबें, यूनिफ़ॉर्म आदि प्राप्त हुई।

क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान, माता-पिता ने एक बड़ी खुशी दिखाई है कि उन्हें अपने बच्चों को सतत शिक्षा में न केवल आर्थिक रूप से बल्कि नैतिक रूप से भी समर्थन मिलता है। यह भी देखा गया कि माता-पिता को तनाव के स्तर से राहत मिली है क्योंकि बच्चे को विद्यालय भेजने के प्रयासों में उन पर कोई सीधा आर्थिक बोझ नहीं है, साथ ही इससे माता-पिता के बीच घरेलू हिंसा और अक्सर होने वाली घटनाओं में भी कमी आई है और इस प्रकार घर पर भी बच्चों को पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल और कुल मिलाकर घर में बेहतर माहौल की स्थिति उत्पन्न हुई है।

समग्र संतुष्टि रेटिंग

विद्यार्थियों से स्कूल के विभिन्न कारकों को 1 से 5 के पैमाने पर रेटिंग देने के लिए कहा गया। जिसमें एक बहुत निम्न स्तर और 5 अत्यधिक संतोषजनक है। परिणाम नीचे दिए गए ग्राफ़ में प्रस्तुत किए गए हैं।

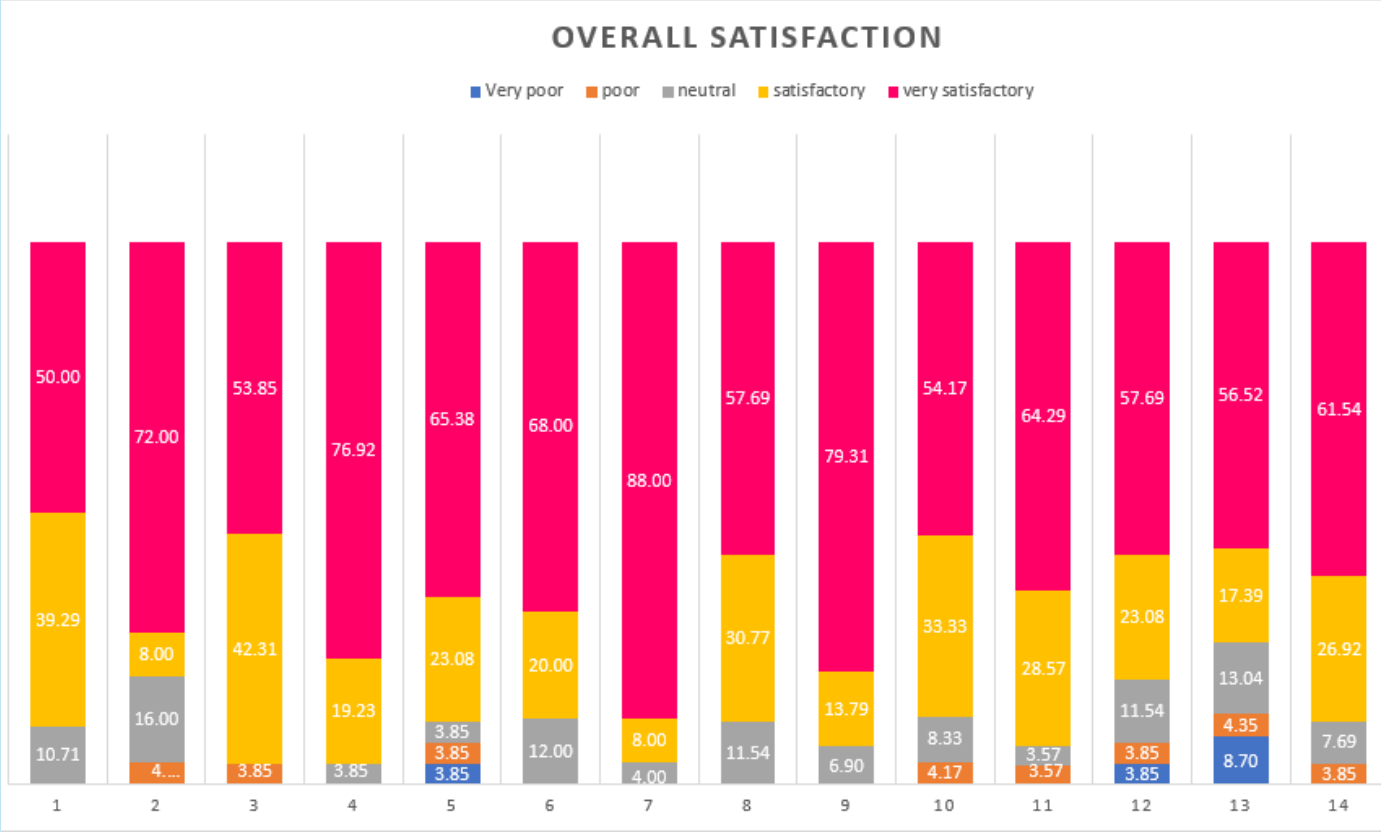

क्र.सं	विवरण
1	विद्यालय का भौतिक बुनियादी ढांचा
2	विद्यालय का सीखने का बुनियादी ढांचा (इंटरनेट, कंप्यूटर, प्रयोगशाला उपकरण आदि)
3	विद्यालय के पाठ्यक्रम
4	शिक्षकों द्वारा पढ़ाने का तरीका
5	विद्यालय में स्वच्छता
6	विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता
7	विद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की गुणवत्ता
8	गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर
9	कक्षा में स्थान
10	शिक्षकों का व्यवहार
11	विद्यालय के सहायक स्टाफ का व्यवहार
12	विद्यालय तक पहुंचने की सुविधा
13	शिक्षकों द्वारा दिया गया गृहकार्य
14	गृहकार्य पूरा करने में सुविधा

यह सर्वेक्षण कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्रों के बीच किया गया, जिसमें बालक और बालिकाएं समान रूप से शामिल थे। सर्वेक्षण से शीर्ष तीन मापदंडों का पता चलता है जिनसे छात्र बहुत खुश हैं: स्कूल द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की गुणवत्ता, शिक्षकों द्वारा पढ़ाने का तरीका और कक्षा में स्थान। जिन तीन मापदंडों पर ध्यान देने की आवश्यकता है वे हैं: स्कूल पाठ्यक्रम, शिक्षकों का व्यवहार और विद्यालय का भौतिक बुनियादी ढांचा।

पहल का ओईसीडी आकलन

सामंजस्य: उच्च

बाह्य सामंजस्य

स्कूल आरटीई अधिनियम की शर्तों के अनुरूप आर्थिक रूप से वंचित परिवारों के बच्चों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है।

आंतरिक सामंजस्य

स्कूल का संचालन टीएचडीसी सीएसआर शिक्षा उपक्षेत्र के अधिदेशों के अनुरूप है।

प्रासंगिकता : उच्च

टीएचडीसीआईएल परियोजना और कार्यालय परिसर में और उसके आसपास विस्थापित लोगों के सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित परिवार रहते हैं। टीएचडीसीआईएल-सीएसआर नीति के अनुसार, शिक्षा उन क्षेत्रों में से एक है जिस पर संगठन ध्यान केंद्रित करता है, और यह सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न रूपों और साधनों में बुनियादी शिक्षा प्रदान करता है।

प्रभावशीलता: उच्च

यह पहल ऋषिकेश और आसपास के क्षेत्रों में परियोजना प्रभावित परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल है। प्रभाव की प्रभावशीलता को निम्न चार मानदंडों पर मापा जाता है:

- विद्यार्थियों के नामांकन में लगातार वृद्धि हुई है।
- पाठ्यक्रम की मांग के अनुरूप विद्यालय के बुनियादी ढांचे को बनाए रखा गया है।
- 10वीं कक्षा में 76% छात्र उत्तीर्ण हुए है।
- विद्यालय के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं का लाभ दलित एवं बीपीएल परिवारों को मिल रहा है।

प्रभाव: उच्च

हस्तक्षेप से दलित परिवारों और बीपीएल परिवारों का वित्तीय बोझ कम हुआ। इसने परिवारों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। उच्च शिक्षा के संबंध में छात्रों को परामर्श प्रदान किया जाता है और **95%** छात्र हाई स्कूल पूरा करते हैं और आगे उच्च शिक्षा का विकल्प चुनते हैं**,** जो उन्हें अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार करने का अवसर प्रदान करता है।

दक्षता: उच्च

इमारत के बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सीखने के बुनियादी ढांचे का उपयोग उनकी पूरी क्षमता से किया जा रहा है। छात्रों को उनकी व्यावहारिक कक्षाओं के दौरान प्रयोगशाला में पढ़ाया जा रहा है**;** कक्षाएँ पूरी क्षमता से चल रही है**;** हर कक्षा में शिक्षक मौजूद थे**;** और स्कूल के संसाधनों का अच्छी तरह से उपयोग और रखरखाव किया जा रहा था।

सततता: मध्यम

यह पहल अपने उद्देश्य को पूरा कर रही है जो कमजोर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों को सस्ती शिक्षा प्रदान करना है। स्कूल छात्रों से उपयोगकर्ता शुल्क लेता है जो छात्रों के बीच स्कूल के प्रति समावेशिता को बढ़ावा देता है।

परियोजना **4.2:** टीएचडीसी टी.बी.पी. इंटरमीडिएट कॉलेज, भागीरथीपुरम, टिहरी का संचालन।

टीईएस की यह पहल लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डाल रही है। इस खंड में टीएचडीसी इंटरमीडिएट कॉलेज, भागीरथीपुरम, टिहरी के संचालन के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर चर्चा की गई है।

सामाजिक प्रभाव

सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के एक भाग के रूप में लाभार्थियों के समूह द्वारा प्राप्त सामाजिक समावेशन और लाभों को मापने के लिए कुछ प्रमुख कारकों का मूल्यांकन किया गया है।

सामाजिक संरचना- विद्यार्थी

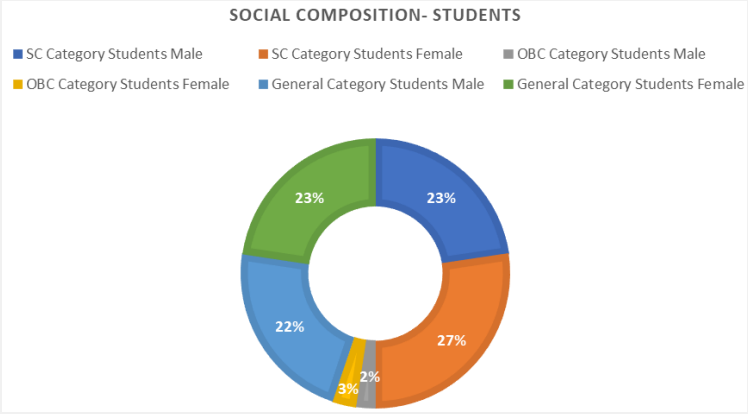

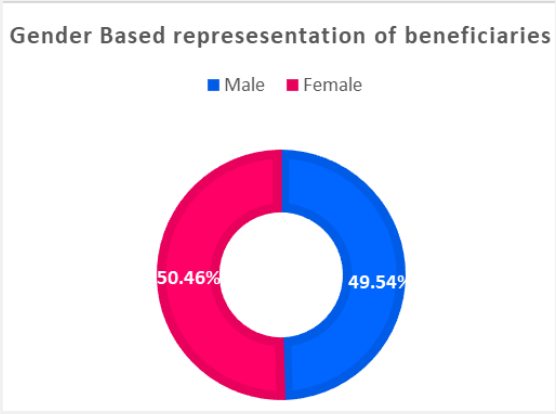

विश्लेषण से यह पता चलता है कि समाज के सभी वर्गों को अपने बच्चों को स्कूल प्रवेश में नामांकित करने का अवसर मिला, हालांकि, ओबीसी के छात्रों का प्रवेश सभी वर्गों में सबसे कम है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि सभी श्रेणियों में बालिकाओं की संख्या बालकों से अधिक है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विद्यालय सामाजिक क्षितिज पर समान अवसर प्रदान करता है और बालिका सशक्तीकरण को भी बढ़ावा देता है।

टीएचडीसी में छात्रों का नामांकन रूचि टी.बी.पी इंटरमीडिएट कॉलेज, टिहरी

ग्राफ के माध्यम से देखा जा सकता है कि विद्यालय में छात्रों के नामांकन में लगातार गिरावट आ रही है, जिसका कारण कोविड और ऑनलाइन कक्षाएं हो सकता हैं।

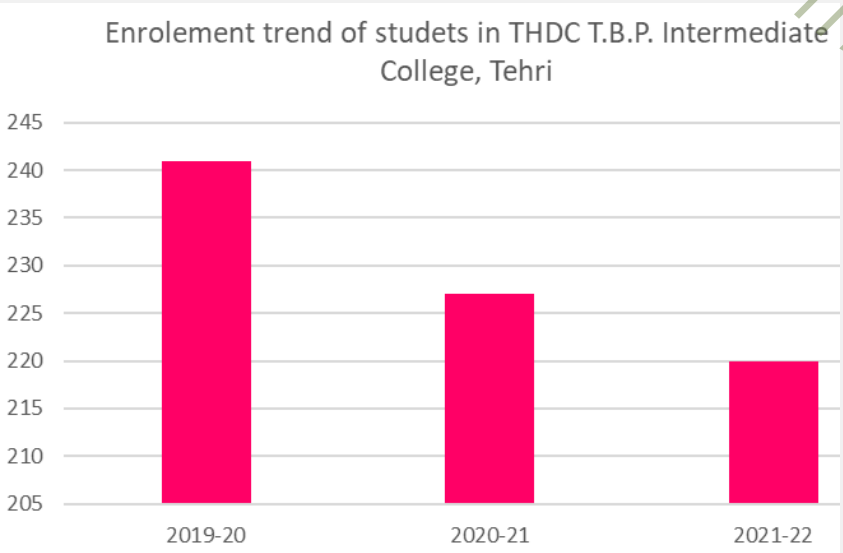

विद्यार्थियों का सामाजिक वर्गवार नामांकन रुझान

यह खंड वित्त वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक सभी सामाजिक वर्गों के नामांकन रुझान को प्रस्तुत करता है।

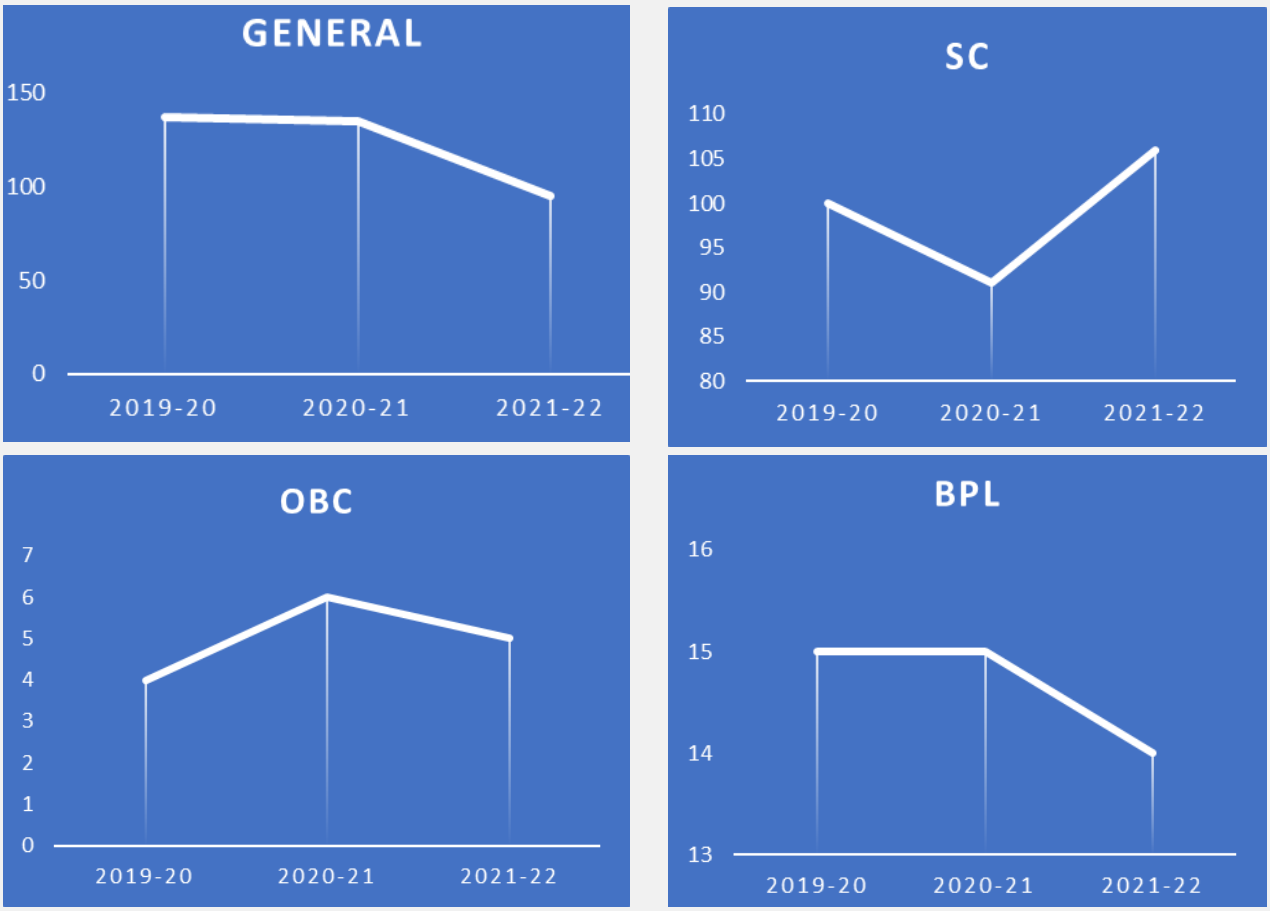

कुल छात्र बनाम बीपीएल छात्र

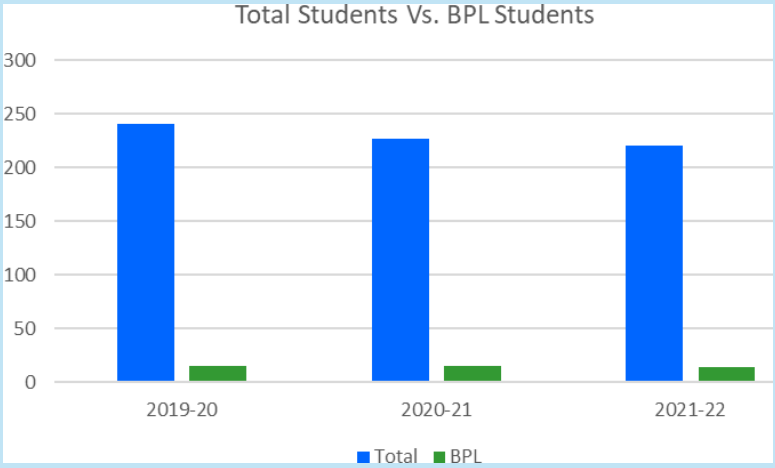

ग्राफ वित्तीय वर्ष 2019-20 से वित्तीय वर्ष 2021-22 तक का प्रतिनिधित्व करता है, 6.22%, 6.60% और 6.36% बीपीएल छात्र क्रमशः स्कूल में नामांकित होते हैं और का स्कूल का एक हिस्सा बनतेहैं।

छात्रों का प्रदर्शन/उपलब्धि

छात्रों का परिणाम

वित्तीय वर्ष 2021-22 में छात्रों का परिणाम

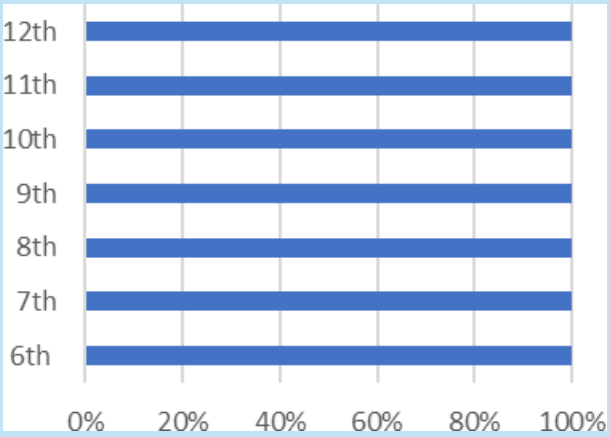

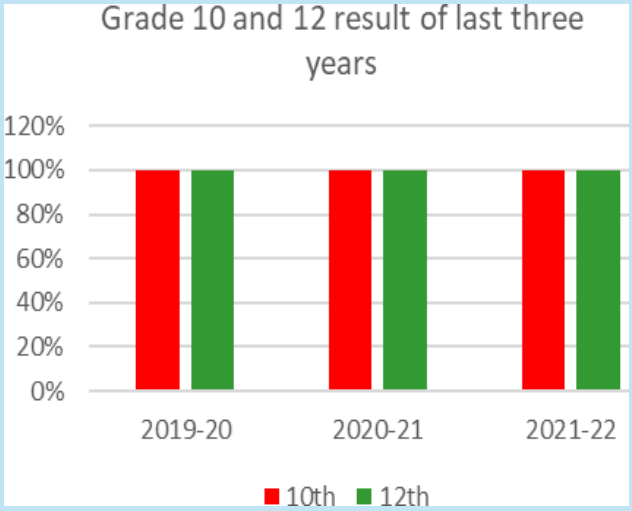

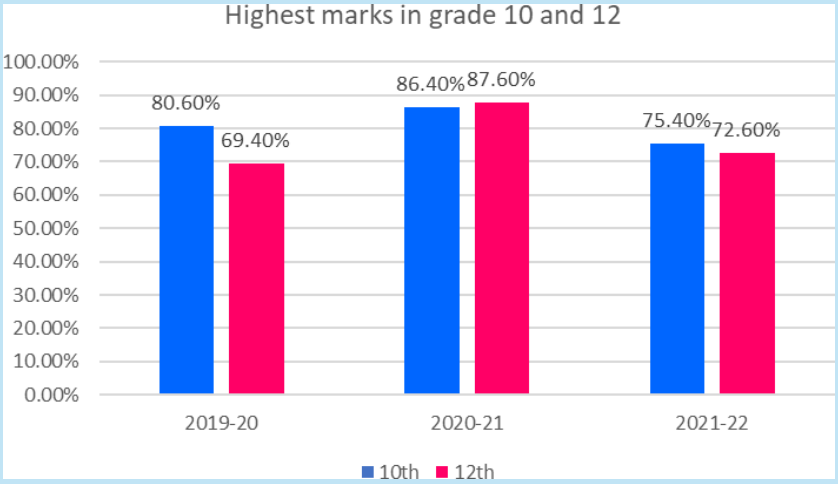

ग्राफ दर्शाता है कि वित्त वर्ष 2021-22 में उत्तीर्ण प्रतिशत 100% है जो अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा को दर्शाता है।

आर्थिक प्रभाव

किए गए सामाजिक सर्वेक्षण से यह पता चलता है कि 85% परिवार के कमाने वाले सदस्य सहायक कर्मचारी, सफाईकर्मी, पेंटर, दैनिक मजदूर और निजी नौकरी करने वाले कर्मचारी जैसे व्यवसायों में हैं, जिनके बच्चे स्कूल में नामांकित हैं, उन्हें मुफ्त भोजन, किताबें, यूनिफ़ॉर्म आदि प्राप्त हुई हैं, ताकि माता-पिता अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेज सकें।

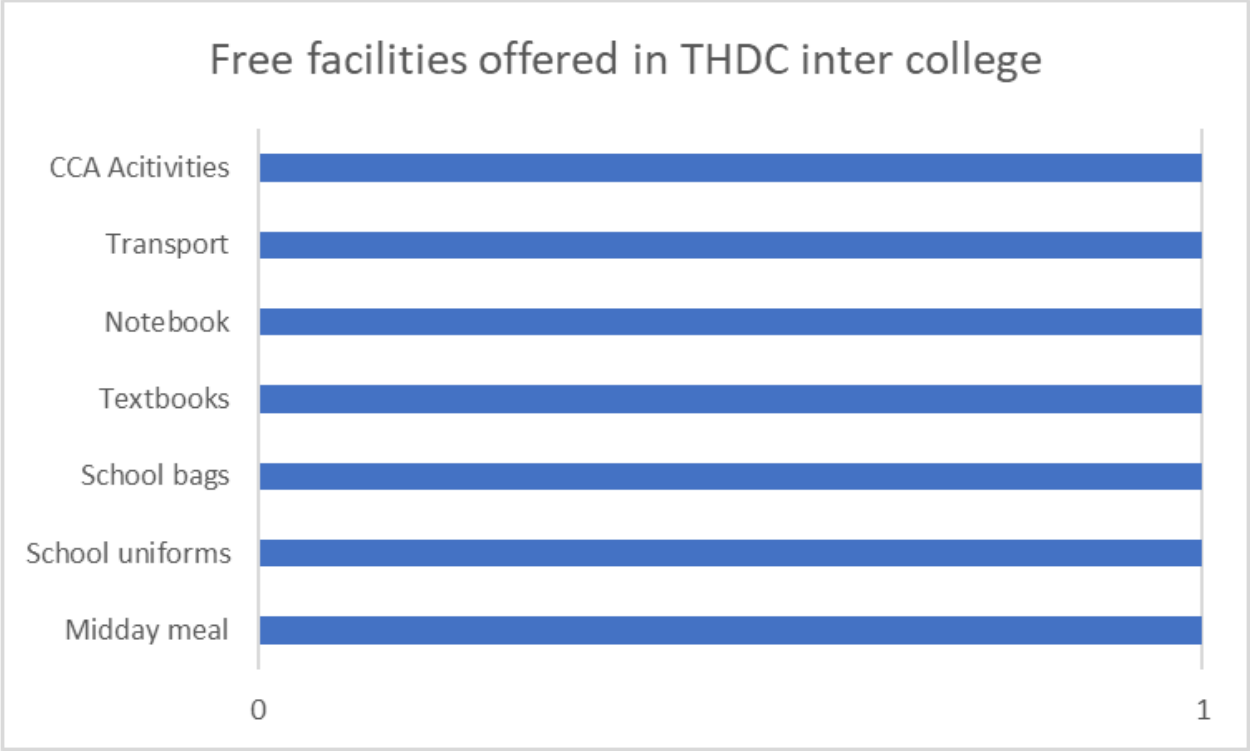

क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान, माता-पिता ने एक बड़ी राहत दिखाई है कि उन्हें अपने बच्चों को सतत शिक्षा में न केवल आर्थिक रूप से बल्कि नैतिक रूप से भी समर्थन मिलता है। यह भी देखा गया कि माता-पिता को तनाव के स्तर से राहत मिली है क्योंकि बच्चों को विद्यालय भेजने में सहायता करने के लिए उन पर कोई सीधा आर्थिक बोझ नहीं है, साथ ही इससे माता-पिता के बीच घरेलू हिंसा और अक्सर होने वाली घटनाओं में भी कमी आई है और इस प्रकार घर पर भी बच्चों को पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल के साथ ही कुल मिलाकर घर में बेहतर माहौल का वातावरण बना है।

समग्र संतुष्टि रेटिंग

छात्रों को विद्यालय के विभिन्न कारकों को 1 से 5 के पैमाने पर रेटिंग देने के लिए कहा गया, जिसमें एक असंतोषजनक और 5 अत्यधिक संतोषजनक है। परिणाम नीचे दिए गए ग्राफ़ में प्रस्तुत किए गए हैं।

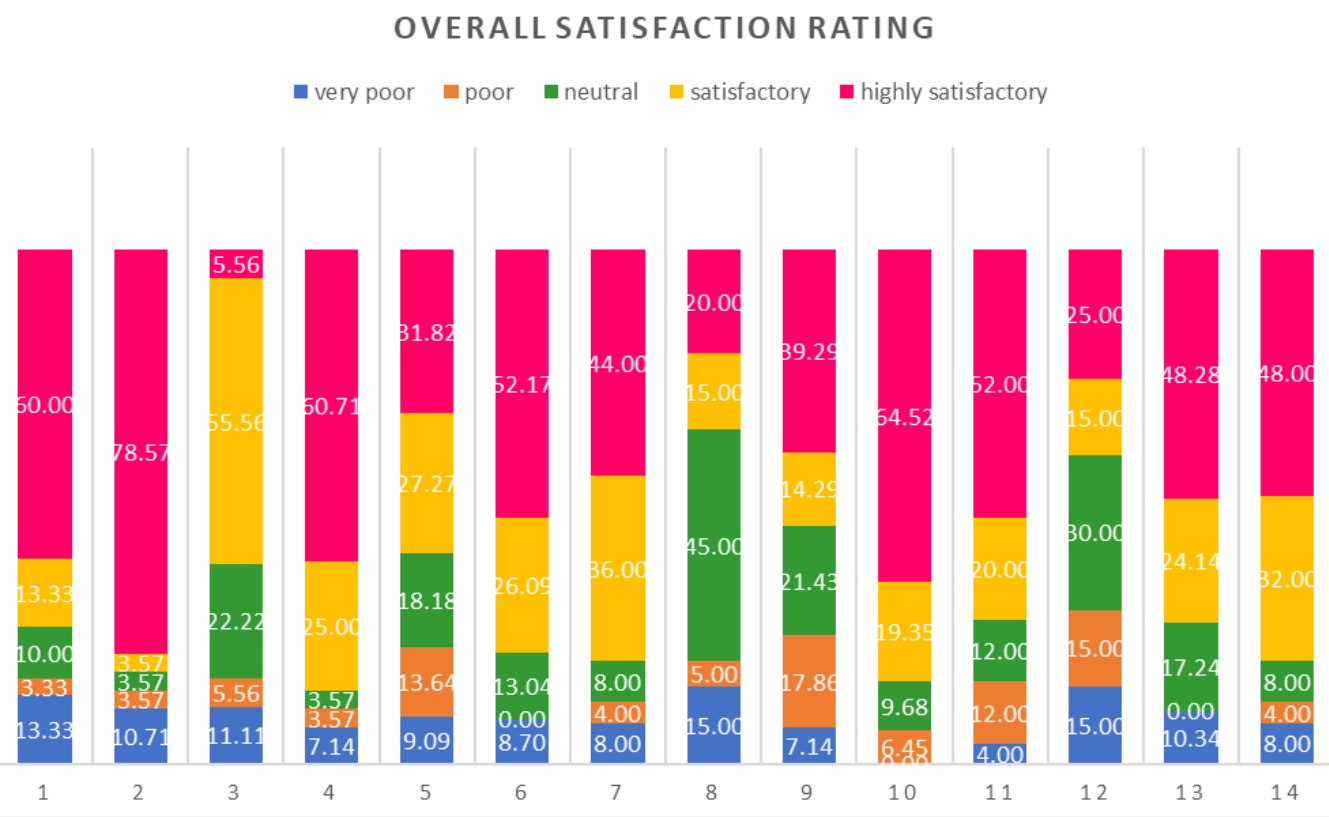

क्र.सं	विवरण
1	विद्यालय का भौतिक बुनियादी ढांचा
2	विद्यालय का सीखने का बुनियादी ढांचा (इंटरनेट, कंप्यूटर, प्रयोगशाला उपकरण आदि)
3	स्कूल के पाठ्यक्रम
4	शिक्षकों द्वारा पढ़ाने का तरीका
5	विद्यालय में स्वच्छता
6	विद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता
7	विद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की गुणवत्ता
8	गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर
9	कक्षा मेंस्थान
10	शिक्षकों का व्यवहार
11	विद्यालय सहायक स्टाफ का व्यवहार
12	विद्यालय तक पहुंचने की सुविधा
13	शिक्षकों द्वारा दिया गया गृहकार्य
14	गृहकार्य पूरा करने में सुविधा

यह सर्वेक्षण कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों के बीच किया गया था, जिसमें लड़के और लड़कियां समान रूप से शामिल थे। सर्वेक्षण से पता चलता है कि शीर्ष तीन पैरामीटर जिनसे छात्र बहुत खुश हैं, वे हैं: स्कूल का शिक्षण बुनियादी ढांचा, शिक्षकों का व्यवहार और प्रदान किए जाने वाले मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता। जिन तीन क्षेत्रों पर ध्यान देने की आवश्यकता है, वे हैं: स्कूल पाठ्यक्रम, गतिविधियों और खेलों में भागीदारी के अवसर और स्कूल पहुँचने की सुविधा।

पहल का ओईसीडी आकलन

सामंजस्य : उच्च

बाह्य सामंजस्य

विद्यालय आरटीई अधिनियम की शर्तों के अनुरूप आर्थिक रूप से वंचित परिवारों के बच्चों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है।

आंतरिक सामंजस्य

विद्यालय का संचालन टीएचडीसी सीएसआर शिक्षा उपक्षेत्र के अधिदेशों के अनुरूप है।

प्रासंगिकता : उच्च

टीएचडीसीआईएल परियोजना और कार्यालय परिसर में और उसके आसपास विस्थापित व्यक्तियों के परिवार हैं जो सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित हैं। टीएचडीसीआईएल-सीएसआर नीति के अनुसार, शिक्षा केंद्रित क्षेत्रों में से एक है और संगठन सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई रूपों में और विभिन्न माध्यमों से बुनियादी शिक्षा प्रदान करता है।

प्रभावशीलता: उच्च

यह पहल टिहरी और आसपास के क्षेत्रों में परियोजना प्रभावित परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल है। प्रभाव की प्रभावशीलता को तीन मानदंडों पर मापा जाता है:

- पाठ्यक्रम की मांग के अनुरूप विद्यालय के बुनियादी ढांचे को बनाए रखा।
- 10वीं और 12वीं कक्षा में विद्यार्थियों का परिणाम शत-प्रतिशत रहा ।
- विद्यालय के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं का लाभ दलित एवं बीपीएल परिवारों को मिल रहा है।

प्रभाव: उच्च

इस पहल से कम आय वाले और बीपीएल परिवारों के वित्तीय तनाव कम हो गए है। इसने परिवारों और छात्रों दोनों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया है। छात्रों को उच्च शिक्षा के संबंध में परामर्श दिया जाता है, और इस कारण छात्र 100% हाईस्कूल पूरा करते हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त करना चुनते हैं, जिससे उन्हें अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में वृद्धि करने का अवसर मिलता है।

दक्षता: उच्च

भौतिक बुनियादी ढांचे और सीखने के बुनियादी ढांचे दोनों का उपयोग उनकी अधिकतम क्षमता तक किया जाता है। छात्रों को उनके प्रायोगिक सत्रों के दौरान प्रयोगशालाओं में निर्देश दिए गए, कक्षाएँ पूरी क्षमता से चल रही थीं, शिक्षक प्रत्येक कक्षा में मौजूद थे और विद्यालय के संसाधनों का उपयोग और रखरखाव अच्छी तरह से किया गया था।

सततता: मध्यम

यह परियोजना वंचित सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए शिक्षा को किफायती बनाने के अपने निर्धारित उद्देश्य को प्राप्त कर रही है। विद्यालय छात्रों से उपयोगकर्ता शुल्क लेता है, जिससे छात्रों में अपनेपन की भावना बढ़ती है। इस पहल का दृष्टिकोण सतत है।

4.3 सुझाव एवं सिफ़ारिशें

प्रभाव मूल्यांकन टीम ने स्कूल परिसर का दौरा किया और छात्र समूहों, शिक्षकों, अभिभावकों और टीईएस सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया। गुणात्मक और मात्रात्मक आंकड़ों के गहन विश्लेषण के बाद आगे विचारार्थ निम्नलिखित टिप्पणियाँ की जाती हैं।

- यह सुझाव दिया गया है कि कक्षाओं को जीवंत वातावरण और विषय वस्तु के संबंध में छात्रों की समझ के स्तर को बढ़ावा देने के लिए कक्षाओं में शिक्षा चार्ट दिखाए जाएं।
- आधुनिक शिक्षण तकनीकों को समझने और छात्रों के लिए शिक्षण को और अधिक रोचक बनाने के लिए स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए जा सकते हैं।
- प्रायोगिक सत्रों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रयोगशालाओं में उपकरणों को अद्यतन किया जा सकता है।
- शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों और तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा सकता है।

अध्याय-5

विषय का अध्ययन

5.1 परियोजना: टीएचडीसी हाई स्कूल, ऋषिकेश

केस स्टडी-1

सुश्री किरण और कविता साहनी टीएचडीसी हाई स्कूल, ऋषिकेश में पढ़ती हैं। वर्ष 2019-20 के दौरान वे हाई स्कूल में उत्तीर्ण हुए। उन्होंने कम उम्र में ही अपने माता-पिता को खो दिया था और वे अपनी दादी के साथ रहते थे। उनकी आर्थिक स्थिति बहुत संतोषजनक नहीं थी।

सुश्री किरण साहनी ने सत्र 2019-20 में जिला देहरादून की ब्लॉक स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लिया और 800 मीटर, 1500 मीटर और 3000 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने जिला स्तर पर भाग लिया और 800 मीटर और 1000 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा सत्र 2019-20 के ब्लॉक स्तरीय, जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेकर राज्य स्तरीय फुटबॉल टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया है, जिसके आधार पर उनका चयन उत्तराखंड राज्य की अंडर-19 फुटबॉल के लिए किया गया।

सुश्री कविता साहनी ने सत्र 2019-20 में जिला देहरादून की ब्लॉक स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लिया और 400 मीटर, 800 मीटर दौड़ में दूसरे स्थान पर रहीं। इसके अतिरिक्त उन्होंने सत्र 2019-20 के लिए ब्लॉक स्तरीय, जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भी भाग लिया। दोनों बहनें एक ही वर्ष में हाई स्कूल में उत्तीर्ण हुईं है। विद्यालय एवं उनके परिवार को उन पर गर्व है।

केस स्टडी -2

सुश्री अनिता निषाद विद्यालय की होनहार छात्रा रही हैं। वह शुरू से ही अपनी कक्षा में प्रथम स्थान पर आती थी। बचपन में ही उनके पिता का निधन हो गया था। अनीता अपनी मौसी के साथ गुमानीवाला, ऋषिकेश में रह रही है। वर्तमान में उसने सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज आवास विकास, ऋषिकेश में कक्षा 11 में प्रवेश लिया है।

अनीता ने पिछले साल टीएचडीसी हाई स्कूल प्रगतिपुरम, ऋषिकेश से 90.2% अंकों के साथ कक्षा 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस कारण उत्तराखंड सरकार ने उन्हें एक विशेष प्रशस्ति पत्र दिया और टीईएस सचिव श्री ए.के. विश्वकर्मा एवं प्राचार्य श्री पी.एस. सैनी द्वारा उसे स्वर्गीय कमला नेहरू पुरस्कार प्रदान किया गया। स्कूल अधिकारियों को अनीता के असाधारण प्रदर्शन पर गर्व है।

केस स्टडी -3

संयम कुमार झा टीएचडीसी हाई स्कूल, प्रगतिपुरम, ऋषिकेश में 10वीं कक्षा के छात्र हैं। संयम का जन्म एक बेहद गरीब परिवार में हुआ था। उनके पिता लोकेश कुमार झा वर्तमान में उत्तराखंड होम गार्ड के पद पर कार्यरत हैं और माँ एक गृहिणी हैं। संयम ने सत्र 2021-22 में टीएचडीसी हाई स्कूल में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर विद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

इंस्पायर अवार्ड 2021-22 के अंतर्गत जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता के लिए ब्लॉक डोईवाला से संयम कुमार झा का भी चयन किया गया। उक्त जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता मेहवाला में आयोजित की गयी तथा दिसम्बर 2022 के द्वितीय सप्ताह में देहरादून में प्रस्तावित है। इस प्रतियोगिता में संयम का प्रोजेक्ट "दिव्यांगों के लिए लिफ्ट" था। जिसे विज्ञान शिक्षक प्रताप सिंह सजवाण की देखरेख में बनाया गया था।

केस स्टडी -4

राजीव गुप्ता ने 2017-2018 सत्र में टीएचडीसी हाई स्कूल प्रगतिपुरम से हाई स्कूल परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। वर्तमान में राजीव आईआईटी रूड़की में इंजीनियरिंग की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। एक गरीब परिवार से आने वाला यह लड़का अपनी कड़ी मेहनत के दम पर इस मुकाम तक पहुंचा, उसने विद्यालय में रहते हुए न केवल पढ़ाई की, बल्कि स्कूल की सभी गतिविधियों में भी भागीदारी कीं - वाद-विवाद, कला प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया और बेहतरीन नृत्य प्रस्तुतियाँ देने की कोशिश की। टीएचडीसी स्कूल समिति ने शुरुआती वर्षों के दौरान उनकी कॉलेज फीस का भुगतान करने में भी मदद की। राजीव ने विद्यालय को बहुत गौरवान्वित किया है और वह उनके सभी प्रयासों में सफलता की कामना करते हैं।

केस स्टडी -5

कुमारी अनीशा रांगड़ ने सत्र-2014/2015 में टीएचडीसी हाई स्कूल, प्रगतिपुरम से प्रथम श्रेणी में हाई स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्तमान में वह एमएससी (गणित) कर रही हैं। पढ़ाई में मेधावी होने के साथ-साथ वह उत्तराखंडी संगीत के क्षेत्र में भी अपना परचम लहरा रही हैं। वह अपनी खूबसूरत गायकी से पूरे उत्तराखंड में अपना नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने समय-समय पर उत्तराखंड के अलावा भारत के अन्य राज्यों में भी अपनी खूबसूरत गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। विद्यालय उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

केस स्टडी -6

भारत के (अंतर्राष्ट्रीय शिटो रियू कराटे प्रतियोगिता) तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में टीएचडीसी हाई स्कूल, प्रगतिपुरम के तीन छात्रों ने रेडफुट स्कूल में अंतर विद्यालय प्रतियोगिता शील्ड में भाग लिया। कक्षा 3 से असावी, गौरव और कार्तिक ने प्रतियोगिता में भाग लिया और तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय परिसर में कराटे और योग के लिए कोई सुनिश्चित व्यवस्था नहीं है, फिर भी छात्र अपने समर्पण और स्कूल के पीटी शिक्षक के पास उपलब्ध उपकरणों के साथ ली गई कक्षाओं से तृतीय स्थान प्राप्त करने में सफल रहे। बिना व्यवस्था व उपकरण के छात्रों को मेडल प्राप्त हुआ यदि बच्चों के लिए कराटे व योगा की समुचित व्यवस्था हो तो बच्चे अच्छे स्तर पर भाग लेकर विद्यालय व देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

5.2 परियोजना 2:: टीएचडीसी टी.बी.पी. इंटरमीडिएट कॉलेज, बी पुरम, टिहरी

केस स्टडी-1

अमन भट्ट ने हाईस्कूल की परीक्षा सत्र 2018-19 में इंटरमीडिएट कॉलेज टीएचडीसी टी.बी.पी. से उत्तीर्ण की। उनके पिता हर्षमणि भट्ट दिहाड़ी मजदूर हैं। वर्तमान में अमन टिहरी हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज, भागीरथीपुरम, टिहरी से इंजीनियरिंग की शिक्षा ग्रहण कर रहा है। उन्हें 3000 AIR रैंक प्राप्त हुई और गेट में उन्हें 25वां स्थान मिला। अमन हमेशा से एक मेहनती और समर्पित छात्र रहा है। अमन अपने परिवार के लिए अपनी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की इच्छा रखते हैं, क्योंकि उनके माता-पिता ने उनके लिए बहुत त्याग किया है।

केस स्टडी-2

आकाश टीएचडीसी टिहरी में इंटरमीडिएट कॉलेज टी.बी.पी. में 11वीं कक्षा का छात्र है। उनके पिता दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हैं, और उनकी माँ एक सफाई कर्मचारी हैं। जब स्कूल के भविष्य के गौरव के बारे में पूछा गया तो शिक्षकों ने आकाश का जिक्र किया। एक चर्चा के बाद, यह पता चला कि आकाश छठी कक्षा से जब उसने स्कूल में शुरुआत की थी हमेशा अपनी कक्षा में शीर्ष पर रहा है। उसने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह अपने जीवन में क्या बनना चाहता है, लेकिन उनका मानना है कि देश के लिए उनका योगदान केवल उनके लिए नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए होगा। वह नए आविष्कारों में रुचि रखते हैं और निस्संदेह उस दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। हालांकि निर्णायक नहीं, लेकिन अपने अविष्कारों के साथ देश की सेवा करने के निर्णय ने उनके दिमाग में एक बीज बो दिया है, और वह दुनिया को एक बेहतर बनाने के अपने सपने को साकार करेंगे।

केस स्टडी-3

मोहित, मनोज, शिवम और विमल टीएचडीसी टी.बी.पी. इंटरमीडिएट कॉलेज, टिहरी में 12वीं कक्षा के छात्र हैं। वे स्कूल में बहुत अच्छे दोस्त है और महत्वाकांक्षी छात्र भी। प्रभाव मूल्यांकन टीम के साथ चर्चा में उन्होंने बताया कि स्कूलों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सुविधाएं उनके लिए बहुत फायदेमंद हैं। उन्होंने विशेष रूप से टीएचडीसी के अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न प्रोफेसरों द्वारा स्कूल में आयोजित किए जाने वाले करियर परामर्श सत्रों के बारे में बताया। उन्हें एहसास होता है कि वे भविष्य में अपनी स्ट्रीम जारी रखना चाहते हैं और कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में इंजीनियरिंग करना चाहते हैं। चर्चा करने पर, उन्होंने बताया कि वे एक-दूसरे की मदद करने के लिए आपस में समूह अध्ययन भी करते थे और जब भी आवश्यक हो, अपने शिक्षक से मदद भी लेते है। उनके शिक्षक भी उनके सपनों को हासिल करने के लिए उनका मार्गदर्शन करते हैं और उन्हें प्रेरित करते हैं और यहां तक कि प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उन्हें अतिरिक्त अध्ययन सामग्री भी देते हैं। वे अपने विद्यालय से मिल रहे समर्थन के लिए बहुत आभारी हैं और मानते हैं कि वे अपना सपने साकार करेंगे और अपने शिक्षकों और विद्यालय को उन पर गर्व महसूस कराएंगे।

केस स्टडी-4

शिवम बंगलवाल छठी कक्षा से विद्यालय में पढ़ रहे थे। उनके माता-पिता दोनों शिक्षक हैं। वह बहुत मेधावी छात्र है और भविष्य में इंजीनियरिंग करना चाहता है। जब उनसे उनकी योजनाओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए अतिरिक्त प्रयास कर रहे हैं और अपने शिक्षकों, माता-पिता और इंटरनेट से उपलब्ध आवश्यक मदद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगे चलकर वह अपने माता-पिता की तरह ही एक शिक्षक बनना चाहते हैं; जैसा कि कहा जाता है कि शिक्षक देश के भविष्य को आकार देते हैं, वह भी राष्ट्र के निर्माण में योगदान देना चाहते हैं। वह अपने सपने को हासिल करने और अपने विद्यालय एवं माता-पिता को उस पर गर्व करने के लिए बहुत मेहनत कर रहा है।

इण्टर कॉलेज भागीरथ
"पौष्टिक आहार कार्यक्रम"
का शुभारम्भ
ओ.एस. गौर्य, महाप्रबन्धक (टिहरी कॉम्पलेक्स
क कर कमलों द्वारा
दिनांक 8, अप्रैल 2016 को किया गया

टिहरी बाँध परियोजना
इण्टरमीडिएट कॉलेज-भागीरथीपुर

प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट

प्रस्तुत: सेवा-टीएचडीसी

तैयारकर्ता:

सामाजिक उत्तरदायित्व एशिया

कारपोरेट कार्यालय, चौथी मंजिल, सीएस 25 और 26, अंसल प्लाजा मॉल, सेक्टर-1, वैशाली गाजियाबाद, यूपी-201012

दूरभाष: +91-120-4103023; +91-9810059109

ईमेल: info@sr-asia.org www.sr-asia.org